फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 6, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 214 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
07 फरवरी 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
22.8 अधिकतम
11.0 न्यूनतम

अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी... देश का कृषि और डेयरी सेक्टर सुरक्षित

भारत-अमेरिका ट्रेड का नया अध्याय, युवाओं को मिलेंगे मौके... मोदी बोले- मजबूत होगा मेक इन इंडिया

नई दिल्ली/वॉशिंगटन डीसी।, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी कर दिया है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50 फ़ीसदी से घटाकर 18 फ़ीसदी कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 फ़ीसदी अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है। दोनों देशों ने कहा कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। फ्रेमवर्क जारी होने के बाद पीएम मोदी ने इसे भारत और अमेरिका दोनों के लिए खुशखबरी बताया। उन्होंने कहा कि इससे मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा और हमारे युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे

इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। इसके तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं पर सभी टैरिफ खत्म या कम करेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 27.18 लाख करोड़ रुपये) के बाजार को खोलेगा। उनके मुताबिक छोटे और मंझोले उद्योग, किसान और मछुआरे सबसे बड़े लाभार्थी होंगे और इससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत ने अगले पांच साल में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने फैसला किया है

कि वे इसके कुछ नियम तय करेंगे, ताकि इस समझौते का लाभ मुख्य रूप से अमेरिका और भारत को ही मिले, न कि किसी तीसरे देश को। भारत ने वादा किया है कि इन लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करेगा, ताकि अमेरिकी मेडिकल डिवाइस आसानी से भारत में बिक सकें। इससे भारतीय अस्पतालों और मरीजों को बेहतर और सस्ती अमेरिकी तकनीक मिल सकती है।

अमेरिकी स्टैंडर्ड्स और टेस्टिंग को मान्यता : भारत यह भी तय करेगा कि समझौते लागू होने के 6 महीने के अंदर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में अमेरिकी स्टैंडर्ड्स के अनुसार होने वाली टेस्टिंग को स्वीकार किया जा सकता है या नहीं। जब कोई अमेरिकी कंपनी भारत में अपना सामान बेचना चाहती है, तो भारत में अलग-अलग स्टैंडर्ड्स और टेस्टिंग की जरूरत पड़ती है। अमेरिका में पहले से ही अपने उत्पादों पर अमेरिकी स्टैंडर्ड्स के अनुसार टेस्टिंग हो चुकी होती है, लेकिन भारत में अक्सर दूसरी बार टेस्टिंग करनी पड़ती है। यानी वही सामान भारत में फिर से जांचा जाता है। इससे समय लगता है, खर्च बढ़ता है, सामान महंगा हो जाता है, और व्यापार धीमा हो जाता है। भारत ने वादा किया है कि समझौता लागू होने के 6 महीने के अंदर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में जांच करेगा। इसमें देखा जाएगा कि क्या अमेरिकी स्टैंडर्ड्स को सीधे स्वीकार किया जा सकता है। अगर अमेरिका में सामान पहले ही उन स्टैंडर्ड्स के अनुसार टेस्ट हो चुका है, तो भारत में दोबारा टेस्टिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा भारत: भारत ने घोषणा की है कि वह अगले पांच सालों में अमेरिका से कुल 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदेगा। इनमें एनर्जी प्रोडक्ट, विमान और विमान के पार्ट्स, कीमती धातुएं, टेक्नॉलाजी प्रोडक्ट,कोकिंग कोल आदि शामिल हैं। भारत को इस समझौते से कई फायदे मिलने का दावा किया गया है। इसके अनुसार 18 प्रतिशत टेरिफ से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। भारतीय छोटे उद्योग , किसान, मछुआरे, महिलाओं और युवा उद्यमियों के लिए अमेरिकी बाजार में अवसर खुलेंगे। टेक्सटाइल, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी में नए अवसर मिलेंगे।

किसानों के हित का रखा ध्यान

भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में भारत ने अपने कृषि और डेयरी सेक्टर को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित रखा है। इन उत्पादों पर अमेरिका को कोई टैरिफ रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हालांकि, संयुक्त बयान के अनुसार भारत ने कुछ अमेरिकी कृषि और खाद्य उत्पादों पर आयात शुल्क खत्म या कम करने पर सहमति जताई है। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु चारे के लिए रेड सोरघम, ड्राई फ्रूट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन ऑयल, वाइन और स्पिरिट्स शामिल हैं।

डिजिटल ट्रेड और सप्लाई चेन

दोनों देश डिजिटल ट्रेड में भेदभावपूर्ण नियमों और बोझिल प्रक्रियाओं को खत्म करने की दिशा में काम करेंगे। इसका मतलब है कि डिजिटल सेवाएं, ई-कॉमर्स, डेटा फ्लो, क्लाउड सर्विसेज और ऑनलाइन ट्रेड में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाएगा।यह भारत के लिए फायदेमंद है। इससे भारतीय आईटी कंपनियां, स्टार्टअप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को अमेरिकी बाजार में आसानी से काम करने का मौका मिलेगा।

टी20 विश्व कप का रोमांच शुरू

भारत का पहला मैच आज अमेरिका से होगा मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

टी20 क्रिकेट विश्व कप 2026 की शुरुआत आज से हो गई है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट का आगाज पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होने वाले मुकाबले से हुआ। इसके बाद वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड और भारत बनाम यूएसए मैच भी होंगे। इस तरह विश्व कप के ओपनिंग डे पर तीन मैच देखने को मिलेंगे। पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच पहले मुकाबले में नीदरलैंड ने पाकिस्तान को 148 रन का टारगेट दिया है।

यह मैच कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के बीच का मुकाबला दोपहर 3 बजे शुरू होगा। यह मैच कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका(यूएसए) के साथ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में करेगी। यह मैच शाम 7 बजे खेला जाएगा। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भाग लेने से मना कर दिया था। इसके बाद स्कॉटलैंड को विश्व कप में जगह दी गई है। वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने की बात कही है।

- विस्तृत खबर पेज 7 पर

न्यूज विंडो

बीजेपी की रितु तावड़े होंगी बीएमसी की मेयर

मुंबई। बीएमसी चुनाव में जीत के बाद अब मेयर को लेकर जारी सस्पेंस खत्म हो गया है। मुंबई की मेयर बीजेपी की रितु तावड़े होंगी। जबकि डिप्टी मेयर शिवसेना के संजय घाड़ी होंगे। बीएमसी चुनाव परिणामों में बीजेपी ने 89 सीटें जीती हैं, वहीं शिंदे गुट की शिवसेना को 29 सीटें मिली हैं।

पप्पू यादव 31 साल पुराने केस में पटना से गिरफ्तार

पटना। पटना पुलिस ने पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात 12 बजे गिरफ्तार किया। 31 साल पुराने केस में पटना की विशेष अदालत ने पप्पू यादव समेत 3 आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। इधर उन्हें शनिवार सुबह बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल लाया गया। गिरफ्तारी के दौरान चोट लगने के कारण उनके सिर में दर्द है, साथ ही धड़कन बढ़ने से उन्हें तकलीफ हो रही है।

कंटेनर ने 15 को कुचला, हादसे में छह की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए हैं। सुरीर थाना क्षेत्र के माइल स्टोन 88 के पास एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कंटेनर ने बस से उतरकर खड़े यात्रियों को रौंद दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही बस के कुछ यात्री लघुशंका के लिए एक्सप्रेस-वे पर उतरे थे। इसी दौरान पास से गुजरे कंटेनर ने उन्हें रौंद दिया।

आज का कार्टून

राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन

दलहन उत्पादन से किसानों की आय बढ़ाने पर मंथन

दलहन पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने सीहोर के अमलाहा पहुंचे मुख्यमंत्री।

सीहोर, एजेंसी

सीहोर जिले के अमलाहा में आज दलहन उत्पादन और उत्पादकता को लेकर एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने दलहन क्षेत्र की मूल आवश्यकताओं, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित देश के प्रमुख दलहन उत्पादक नौ राज्यों के कृषि मंत्री उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने अतिथियों को अमलाहा स्थित क्षेत्र में तैयार चने और मसूर की उन्नत किस्मों की फसल का अवलोकन कराया। वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों ने उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक और बेहतर उत्पादन पद्धतियों की जानकारी भी साझा की। सम्मेलन में दलहन उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि, बेहतर विपणन व्यवस्था और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि देश में पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए दलहन उत्पादन बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन को दलहन क्षेत्र में नई संभावनाओं और नीतिगत दिशा तय करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अवैध खनन रोकने गया था अमला, पांच के खिलाफ केस दर्ज

माइनिंग टीम पर हमला...इंस्पेक्टर का सिर फोड़ा

टीकमगढ़, एजेंसी

टीकमगढ़ में अवैध मुरम खनन रोकने पहुंची खनिज विभाग की टीम पर हमला हो गया। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के दो मजदूरों ने भी खनिज टीम पर मारपीट के आरोप लगाए हैं, जिस पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हुई है। घटना शुक्रवार शाम की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया। खनिज अधिकारी विपुल रावत के अनुसार, मिनौरा गांव में भेड़ फार्म की पहाड़ी पर

अवैध खनन की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची तो एक ट्रैक्टर से मुरम का अवैध खनन किया जा रहा था। टीम को देखते ही खनन कर रहे लोग ट्रैक्टर छोड़कर भागे। भागते समय एक मजदूर गिर गया। उसके सिर में चोट आई। खनिज टीम जब जब्त किए गए ट्रैक्टर को लेकर लौट रही थी, तभी बाइक और स्कूटर से पहुंचे चार लोगों ने ट्रैक्टर के सामने अपने वाहन लगाकर उसे छुड़ाने का प्रयास किया। इस दौरान विवाद बढ़ गया। लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। इसमें खनिज निरीक्षक कुलदीप जैन के सिर में चोट आई। कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में अरविंद राय, रवि राय, जितेंद्र राय (निवासी कुंडेश्वर) और चंदू आदिवासी (निवासी मिनौरा) सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जन-केंद्रित न्याय पालिका के लिए जुटे चीफ जस्टिस सहित 25 राज्यों के जज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में आज से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के साथ विभिन्न राज्यों से 25 से ज्यादा हाईकोर्ट के जज भी शामिल हो रहे हैं। राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रित न्यायपालिका पर मंथन किया जाएगा।

सीजेआई बनने के बाद जस्टिस सूर्यकांत का यह मप्र का पहला दौरा है। लंबे समय बाद एक साथ इतने बड़े स्तर पर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस भोपाल में जुट रहे हैं। सम्मेलन की थीम- 'एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका' रखी गई है। इसी विषय पर सीजेआई सूर्यकांत देशभर के जजों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के साथ न्याय व्यवस्था को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने को लेकर मंथन किया जाएगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत के भोपाल प्रवास के दौरान उनकी अगवानी और नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में उनके पहुंचने तक की सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश के आला पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के जिम्मे है। सीजेआई से भोपाल प्रवास के दौरान सीनियर एडवोकेट्स भी मुलाकात कर सकते हैं।

केंद्रीय जीएसटी की टीम का विंध्य में छापा

जबलपुर, एजेंसी

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) आयुक्तालय, जबलपुर ने टैक्स चोरी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पास करने वाले बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। केंद्रीय जीएसटी की टीम ने सीधी, सतना और कटनी जिलों में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। विभाग को खुफिया जानकारी मिली थी कि इन क्षेत्रों में कई ऐसी फर्में पंजीकृत हैं जो केवल कागजों पर चल रही हैं और इनका उपयोग कोयले की फर्जी बिलिंग कर गलत तरीके से आइटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का लाभ उठाने के लिए किया जा रहा है।

वैभव सूर्यवंशी ने गोरों से वसूल किया असली लगान

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

5 फरवरी 2022 को यश धुल की कप्तानी के ठीक 4 साल बाद यानी 6 फरवरी 2026 को एक बार फिर भारतीय छोरों ने गोरों को मैदान में धूल चटा दी। इस बार भी अंडर 19 टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल जीतकर नया इतिहास रचा। फाइनल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 100 रन के बड़े अंतर से हराया। वैसे तो वर्ल्ड चैंपियनशिप की इस जीत में पूरी टीम जिसमें खिलाड़ियों से लेकर सपोर्टिंग स्टाफ तक शामिल हैं, लेकिन असल सुपर स्टार वैभव सूर्यवंशी ही रहे ।14 साल के बिहार के इस छोरे ने जंबिाब्वे की राजधानी हरारे में पहले सेमीफाइनल में 33 गेंदों पर 68 और फिर फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रनों

की पारी खेलकर सबको दंग कर दिया। मजेदार बात यह है कि वैभव की इस पारी में एक नया संयोजन देखने को मिला,जब मात्र 30 गेंदों पर 150 रन(15 चौके,15 छक्के) ठोकने वाले इस युवा ने शुरुआती 24 गेंदों में मात्र 24 रन अपने खाते में दर्ज किये। दरअसल, क्रिकेट के तमाम पंडितों के अनुसार वैभव की बल्लेबाजी का अंदाज तो अलग था,लेकिन बड़े मौकों पर उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी पर कई सवाल उठते थे।युवा विश्व कप का सबसे बडा मुकाबला यानी खिताबी भिड़ंत में इस संयमित और ताबड़तोड़ पारी ने सभी को करारा जवाब दे दिया है। अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में वैभव ने वह कमाल कर दिखाया जो आज तक किसी खिलाड़ी ने नहीं किया। वर्ल्ड कप में किसी ने भी टूर्नामेंट के मैन ऑफ द सीरीज व फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का खिताब इसके पहले हासिल नहीं किया था ।इतनी छोटी उमर में इतने बड़े कमाल करने वाले वैभव के खेल ने देश की उस धारणा को बदल दिया है,जिसमे बच्चों को यह कहा जाता था कि पढोगे लिखोगे बनोगे नवाब और खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब.......वाकई छोटे से शहर के इस छोरे ने अब सबको यह बोलने और सोचने पर मजबूर कर दिया कि नवाब बनने के लिए....खेलना कूदना भी बेहतर विकल्प बन सकता है। असल मे किसी समय मे ऐसा माना जाता था कि क्रिकेट सिर्फ बड़े शहरों का खेल है,जिसमे छोटे शहरों की सहभागिता न के बराबर थी। इस बात में कोई शक नहीं कि पूरे देश मे क्रिकेट के असल बढ़ावे का श्रेय बीसीसीआई की बेहतर हो रही कार्यप्रणाली को ही जाता है। विश्व क्रिकेट में भारतीय खिलाड़ियों की तूती पिछले 10 सालों से बोल रही है,क्योंकि यह टीम 2016 से लगातार खिताबी मुकाबला खेल रही थी,लेकिन तीन मर्तबा वह निर्णायक भिड़ंत के दवाब में चैंपियनशिप नहीं जीत सके। पूरे दशक में यही तीन चूक उसके दमदार प्रदर्शन को कुछ हद तक फीका करती थी।ऐसा लगने लगा था कि बड़े मैचों के दवाब में टीम बिखर रही है,लेकिन इस बार वैभव की मौजूदगी से यह गलती नजर नहीं आयी।सच तो यह है कि इस वर्ल्ड कप में जिस अंदाज में टीम इंडिया के जांबाज छोरों का बोलबाला रहा है उस लिहाज से तो कहा जा सकता है कि यही टीम खिताब की असल हकदार थी। पूरे टूर्नामेंट के किसी भी मैच में भारतीय टीम लड़खड़ाती नजर नहीं आयी। यही वजह है वैभव के राज में महात्रे की सेना ने अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी के उस कारवां को आगे बढ़ाया है,जिसे रोहित शर्मा और हरमनप्रीत ने वर्ल्ड कप जीतकर शुरू किया था । अब देखना यह है कि छुटकों और छोरियों के बाद आज से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट के बड़के क्या गुल खिलाते हैं।

राजधानी में रहा हलका कोहरा, रात का पारा 11 डिग्री पर

भोपाल। प्रदेश में तेज सर्दी का दौर जारी है। प्रदेश के कई शहरों में बीती रात तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 11 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। उमरिया सबसे ठंडा शहर रहा, जहां पारा गिरकर 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि जबलपुर में 10.8 डिग्री और उज्जैन में 13 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, उमरिया के बाद रीवा दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। खजुराहो में भी 7.4 डिग्री, मंडला में 7.9 डिग्री, नौगांव में 8.8 डिग्री, सतना में 8.9 डिग्री, राजगढ़ और शिवपुरी में 9 डिग्री, पचमढ़ी में 9.4 डिग्री तथा दमोह और मलाजखंड में 9.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

वेटलैंड प्राधिकरण को सीमांकन के लिए दो महीने का समय

केरवा-कलियासोत डैम में भराव पर एनजीटी सख्त, कैचमेंट में मिट्टी डालने पर होगी जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केरवा और कलियासोत डैम क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा किए जा रहे सुनियोजित अतिक्रमण पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कड़ा प्रहार किया है। अधिकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि वहां की भूमि भले ही निजी हो, लेकिन यदि उस पर होने वाली गतिविधियां जलाशय, वेटलैंड या जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र को नुकसान पहुंचाती हैं, तो उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एनजीटी ने यह रुख पर्यावरण कार्यकर्ता रशीद नूर खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए अपनाया। इस याचिका के जरिए एनजीटी को बताया गया था कि महुआखेड़ा क्षेत्र में केरवा डैम के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) के भीतर 2000 से अधिक डंपरों के माध्यम से अवैध मिट्टी, कोपरा और मुरम डाली गई है। इस भराव का मुख्य उद्देश्य जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र को समतल कर भविष्य में कॉलोनी काटना और अवैध निर्माण करना था।

जल पारिस्थितिकी को गंभीर खतरा : मामला सामने आने के बाद एनजीटी ने अधिकारियों की एक संयुक्त समिति को जांच सौंपी थी। इस संयुक्त समिति की जांच में पाया गया कि कई स्थानों पर 10 फीट ऊंची मिट्टी की परत बिछाकर जलाशय की जल भंडारण क्षमता

और जल पारिस्थितिकी को गंभीर खतरा पैदा किया गया है। इस समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद एनजीटी की भोपाल बेंच ने सख्ती का आदेश जारी किया है। एनजीटी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इन गतिविधियों से स्थानीय पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई भी दोषियों से ही कराई जाएगी। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने तर्क रखे।

सीमांकन अनिवार्य

एनजीटी ने कहा है कि जल संसाधन विभाग को महीने में कम से कम दो बार क्षेत्र में गश्त करनी होगी, ताकि भविष्य में डंपिंग रुक सके। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण को केरवा डैम के आसपास के प्रभाव क्षेत्र की पहचान और सीमांकन का कार्य दो महीने में पूरा करना होगा। अधिकरण ने साफ किया कि 33 मीटर के बफर जोन का उल्लंघन करने वाले भू-स्वामियों के खिलाफ कार्रवाई विधिसम्मत है और उन्हें अवैध मलबा हटाना ही होगा। एनजीटी ने कलेक्टर और पंचायत अधिकारियों को कैचमेंट क्षेत्र से अवैध कब्जे हटाने के लिए कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यह भी कहा है कि वे इस क्षेत्र में पेड़ लगाने और मिट्टी बचाने का भी काम करें, ताकि डैम लंबे समय तक सुरक्षित रहे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी सतत निगरानी के लिए निर्देशित किया गया है।

मुख्यालय ने शासन को भेजा प्रस्ताव

पुलिस की तर्ज पर जेल विभाग में भी होगी 'बाल आरक्षकों' की भर्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में जेल विभाग में अब बाल आरक्षकों की भर्ती करने की तैयारी है। इसके लिए जेल मुख्यालय ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। कैबिनेट से हरी झंडी मिलने के बाद यह नियम प्रभावी होगा। इसका लाभ जेल विभाग में पदस्थ कर्मचारियों (महिला या पुरुष) के उन बच्चों को मिलेगा जिनके अभिभावक का सेवा के दौरान निधन हो गया है और जीवन साथी सेवा के लिए योग्य नहीं होता या किसी परिस्थिति के कारण करना नहीं चाहता। बच्चे छोटे होने के कारण सेवा के लिए पात्र नहीं होते, जिससे परिवार के सामने मुश्किल आ जाती है। बाल आरक्षकों को बालिग होने तक मानदेय दिया जाता है। बता दें कि बाल आरक्षकों को बालिग होने तक मानदेय दिया जाता है। इस दौरान उनकी पढ़ाई भी जारी रहती है। उन्हें निर्धारित अवधि के लिए कार्यालय आना पड़ता है।

यह दो से तीन घंटे की हो सकती है। विशेष परिस्थिति में इससे भी छूट दी जाती है। 18 वर्ष की उम्र पूरी होने पर आरक्षक बना दिया जाता है।

लंबे समय तक मांग: जेल विभाग के प्रहरी व अन्य कर्मचारी लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि पुलिस की तरह जेल विभाग में भी बाल आरक्षकों की नियुक्ति की जाए। डीजी जेल वरुण कपूर ने बताया कि शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। यह व्यवस्था प्रभावी होने पर कई परिवारों को बड़ी राहत मिल जाएगी।

शहर में बनेगी एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट

भोपाल। भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय ने विगत दिवस भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मिलकर मांग की है भोपाल जिले में एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट व जिला अस्पताल में फिजियोथेरेपी चिकित्सा में मास्टर डिग्री हासिल किए हुए विषय विशेषज्ञों द्वारा इलाज़ सुनिश्चित हो. ताकि मरीज़ों को बेहतर इलाज़ मिल सके. संघ अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय ने बताया कि इस मांग को ध्यान में रखते हुए तत्काल कलेक्टर ने भोपाल जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन को कलेक्टर ऑफिस बुला कर उक्त विषय को गंभीरता से लेने को कहा।

राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

संग्रहालय ज्ञान, संवाद और सामाजिक चेतना के केंद्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा 6 से 8 फरवरी तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'एंथ्रोपोलॉजी एंड म्यूजियम्स' का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से शोधार्थियों, विद्यार्थियों और विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्घाटन संग्रहालय के निदेशक प्रो। अमिताभ पांडे की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रो। एस। एम। पटनायक, प्रोफेसर, मानवशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कहा कि संग्रहालय केवल वस्तुओं के संरक्षण का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान, संवाद और सामाजिक चेतना के केंद्र हैं। प्रो। पांडे ने 'एंथ्रोपोलॉजी एंड म्यूजियम्स' विषय पर विचार रखते हुए संग्रहालयों की सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक भूमिका को विस्तार से स्पष्ट किया। सत्र में प्रतिभागियों को ओपन एयर प्रदर्शनी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया, जिसमें रॉक आर्ट हेरिटेज, ट्रेडिशनल टेक्नोलॉजी पार्क एवं कुम्हार पारा का अवलोकन शामिल रहा। विशेषज्ञों ने प्रागैतिहासिक धरोहर, स्वदेशी ज्ञान प्रणाली तथा पारंपरिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सांस्कृतिक संध्या में दीवा (हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय) द्वारा भरतनाट्यम (प्रणवलया–देवी दुर्गा) की प्रस्तुति दी गई। दिव्यानी भदौरिया (इग्नू, नई दिल्ली) ने शिव रुद्राष्टकम का गायन किया। तुहिनसुभ्र मंडल (पश्चिम बंगाल) ने 'अत्रेयी नदी' पर काव्य पाठ किया। तबला संगत देबोपोम घोष (नालंदा विश्वविद्यालय) ने दी, संजय सप्रे एवं दुर्लभ गुप्ता ने गीत प्रस्तुत किए।

भंडारे के लिए कल भूमिपूजन करेंगे सारंग

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर भोपाल में विशाल भंडारा दिया जाएगा. इसके लिए रविवार को कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग भूमिपूजन करेंगे.ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर भोजपुर में मंडल द्वारा लगने वाले 23 वें विशाल भंडारे का भूमि पूजन कैबिनेट मंत्री एवं मंडल के संरक्षक सारंग द्वारा 8 फरवरी रविवार को सुबह 11:00 बजे किया जाएगा.

खुद के बच्चों से सीखना कला को और निखारता है : धुर्वे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती और खुद के बच्चों से सीखना कला को और निखारता है। यह बात गोंड समुदाय के चित्रकार कुम्हार सिंह धुर्वे ने कही। उनकी कलाकृतियां लिखन्दरा चित्र प्रदर्शनी के अन्तर्गत मप्र जनजातीय संग्रहालय में लगायी गयी हैं। कुम्हार सिंह धुर्वे ने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और तीनों ही चित्रकारी करते हैं। उनसे ही आज से करीब 10 साल पहले उन्होंने कैनवास में रंगों को उकेरना सीखा है और आज 55 साल की उम्र में ढेरों चित्र बनाकर अपनी कला और हुनर से लोगों की प्रशंसा बटोर रहे हैं। धुर्वे ने बताया कि अब तक सबसे अधिक समय उन्हें 12 दिन का सबसे बड़े कैनवास 3 बाई 4 पर चित्रकारी करने का लगा है। जिसमें उन्होंने हाथी और उसके बच्चों को दिखाया है। यह कलाकृति गोण्ड शैली में बनाई गयी है। इस शैली की विशेषता जटिल पैटर्न, चमकीले रंग और बारीक रेखाओं का काम है। जिसे बनाने में एक्रेलिक रंगों का प्रयोग किया गया है। वहीं छोटे आकार के कैनवास पर पेन की सहायता से प्रकृति से जुड़ी कई आकृतियां जैसे पेड़, फूल, पक्षी, जानवर, मछली और जंगलों की विशेष छवियों की कलाकृतियां बनायी हैं। यह प्रदर्शनी 28 फरवरी तक दर्शकों के लिये संग्रहालय में लगी रहेगी।

प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता हासिल कर बनाई अपनी पहचान

युवाओं के लिए भविष्य गढ़ने का भरोसेमंद केंद्र बनी शहर की सरकारी लायब्रेरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शासकीय जिला पुस्तकालय में पढ़कर कई युवाओं ने विभिन्न प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता हासिल कर अपनी पहचान बनाई है. मात्र 300 रुपये वार्षिक शुल्क और 500 रुपये की वापसी योग्य सुरक्षा राशि में विद्यार्थियों को निःशुल्क वाई-फाई, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त रोशनी शांत अध्ययन कक्ष और एमपीपीएससी, यूपीएससी, सीटीईटी, एसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की नवीनतम पुस्तकें और सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जो हर वर्ग के बच्चों को अपने सपनों को साकार करने का उत्तम साधन है। आज विद्यार्थियों के लिए केवल किताबों की जगह नहीं बल्कि

भविष्य गढ़ने का भरोसेमंद केंद्र बनकर उभर रहा है। शांत और अनुशासित माहौल में रोजाना 50 से 60 विद्यार्थी यहां घंटों पढ़ाई कर रहे हैं। पुस्तकालय आगे भी विद्यार्थियों के शैक्षणिक बौद्धिक व रचनात्मक विकास के लिए लगातार काम करता रहेगा। अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आज पुस्तकालय की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन सुविधाएं और मेहनत मिल जाए तो छोटे शहरों से भी बड़े सपनों को उड़ान मिल सकती है।

मेट्रो एंकर | मध्य प्रदेश में पहली बार हुई सफल 'मसल ट्रांसफर' सर्जरी

एम्स में जांघ की मांसपेशी से बहाल की हाथ की गति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने मध्य प्रदेश में पहली बार एक ऐसी जटिल सर्जरी को अंजाम दिया है, जिसमें शरीर के एक हिस्से की सक्रिय मांसपेशी को दूसरे हिस्से में लगाकर अंग की गति वापस लाई गई।

'फ्री फंक्शनिंग मसल ट्रांसफर' (एफएफएमटी) नामक इस तकनीक के जरिए 55 वर्षीय एक ऐसे मरीज का हाथ सक्रिय किया गया है, जो 'पैन ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरी' के कारण पूरी तरह लकवाग्रस्त (पैरालाइज्ड) हो चुका था। मरीज एक ऐसी गंभीर स्थिति से जूझ रहा था जिसमें कंधे से हाथ तक जाने वाली नसों का जाल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके परिणामस्वरूप उसका ऊपरी अंग पूरी तरह निष्क्रिय था और वह हाथ हिलाने तक में असमर्थ था। इस स्थिति में जीवन की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होती है क्योंकि मरीज दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाता है।

ऐसे हुई माइक्रोसर्जरी

इस सर्जरी में मरीज की जांघ से 'ग्रैसिलिस' नामक मांसपेशी को उसकी नसों और रक्त वाहिकाओं के साथ निकाला गया। इस जीवित मांसपेशी को प्रभावित हाथ में प्रत्यारोपित किया गया। इसके बाद माइक्रोस्कोप की मदद से नसों और खून की नलियों को जोड़ा गया। इस सफल प्रक्रिया के बाद अब मरीज की कोहनी में सक्रिय लचीलापन बहाल हो सकेगा, जिससे वह हाथ मोड़ना और उठाना जैसे बुनियादी कार्य कर पाएगा।

इन विशेषज्ञों की टीम ने रचा इतिहास

इस ऐतिहासिक सर्जरी में बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. दीपक कृष्णा (अतिरिक्त प्रोफेसर), डॉ. राहुल दुबेपुरिया (एसोसिएट प्रोफेसर) की मुख्य भूमिका रही। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. अनुज जैन (अतिरिक्त प्रोफेसर) ने किया।

जटिल सर्जरी किफायती दरों पर उपलब्ध

प्रदेश में यह अपनी तरह की पहली और बेहद जटिल प्रक्रिया है। इस उपलब्धि ने साबित किया है कि एम्स भोपाल अब दुनिया की सबसे उन्नत माइक्रोसर्जिकल तकनीकों को अपनाने में सक्षम है। हमारा लक्ष्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को ऐसी महंगी और जटिल सर्जरी किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है।

– प्रो. डॉ. माधवानंद कर,
कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल।

विक्रमोत्सव-2026 : 139 दिवसीय आयोजन का आगाज 12 फरवरी को

महोत्सव को भव्य बनाने सीएम ने संभाली कमान, हर हफ्ते कर रहे तैयारियों की समीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के उत्सव और मेले प्रदेशवासियों के साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। ऐसे उत्सवों में विक्रमोत्सव ने सबसे अलग पहचान बनाई है। इस वर्ष उज्जैन में 12 फरवरी से 30 जून की अवधि में 139 दिवसीय विक्रमोत्सव का आयोजन दीर्घ अवधि के महोत्सव की दृष्टि से एक रिकार्ड होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2026 में हो रहे विक्रमोत्सव को बहु आयामी बनाने के निर्देश दिए हैं। इस दिशा में संस्कृति विभाग और सहयोगी संस्थाओं ने आवश्यक तैयारियों को तेजी से पूर्ण करने का कार्य किया है। निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार विक्रमोत्सव-2026 में कलश यात्रा, नाटक मंचन, वैचारिक समागम, शोध संगोष्ठी, फिल्मों के प्रदर्शन, वेद अंताक्षरी और सूर्योपासना के आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर सप्ताह विक्रमोत्सव की रूपरेखा पर चर्चा कर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।

प्रदेश के नगरों में विक्रमादित्य महानाट्य मंचन के साथ ही शिक्षण संस्थाओं में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के वैज्ञानिक पक्ष को भी प्रचारित किया जाएगा। विज्ञान सम्मत कार्यों के संबंध में विज्ञान महाविद्यालयों, अभियांत्रिकी महाविद्यालयों और

पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों को जोड़कर अभिनव कार्यक्रम किए जाएंगे। आगामी 15 फरवरी को प्रदेश में शिवरात्रि मेलों के शुभारंभ, महादेव की कलाओं के शिवार्चन, कलश यात्रा, शिवोस्हम के अंतर्गत बैंड प्रस्तुति, शिवनाद और विक्रम व्यापार मेले का आयोजन होगा। इसके बाद 16 से 20 फरवरी की अवधि में शिव पुराण, 16 से 25 फरवरी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य प्रस्तुतियां और 26 से 28 फरवरी तक इतिहास समागम, पुतुल समारोह और अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी जैसी गतिविधियां होंगी। फरवरी और मार्च माह में वैचारिक समागम, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, विभिन्न भाषाओं और बोलियों में लोकरंजन के तहत कवि गोष्ठियां, शोध संगोष्ठियां, फिल्म प्रदर्शन के कार्यक्रम होंगे। गुड़ी पड़वा पर उज्जैन के रामघाट (दत्त अखाड़ा) पर सूर्य उपासना का कार्यक्रम होगा। उज्जयिनी गौरव दिवस अंतर्गत शिप्रा तट पर सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण और विक्रम पंचांग 2082-83 और आर्ष भारत के द्वितीय संस्करण का लोकार्पण होगा। महादेव की नदी कथा-नृत्य नाट्य और प्रख्यात पार्श्व गायकों द्वारा सांगीतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। महोत्सव में जिलों में भी विक्रमोत्सव के कार्यक्रम होंगे।

विरासत से युवाओं को जोड़ने में मिल रही है सफलता

सम्राट विक्रमादित्य के योगदान की जानकारी युवा पीढ़ी तक देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निरन्तर कार्यक्रम किये जा रहे हैं। गत वर्ष नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य के मंचन का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विरासत से विकास के संकल्प के अनुरूप इतिहास के गौरवशाली व्यक्तित्वों पर केन्द्रित आयोजन के निर्देश दिए हैं। संस्कृति विभाग के साथ विक्रमादित्य पीठ, वीर भारत न्यास और अन्य संस्थाएं विभिन्न नवाचारों के माध्यम से विविध गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। हाल ही में अभ्युदय मध्यप्रदेश ऑनलाइन स्पर्धा में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भागीदारी की। युवाओं ने ऑनलाइन स्पर्धा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ई-स्कूटी, लैपटॉप जैसे पुरस्कार प्राप्त किए।

सीएम हाउस में एनसीसी कैडेट्स का सम्मान, मुख्यमंत्री ने बढ़ाया हौसला

भोपाल। गणतंत्र दिवस समारोह 2026 में नई दिल्ली में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले एनसीसी कैडेट्स को मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस सम्मान समारोह में उन चुनिंदा कैडेट्स और एनसीसी दल को सम्मान मिला, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में मध्यप्रदेश को तीसरा स्थान दिलाया। घुड़सवारी में मध्यप्रदेश उन चुनिंदा प्रदेश में शामिल रहा जिन्होंने पदक जीते।

हर साल के साथ बेहतर होता जा रहा है प्रदर्शन

इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक एनसीसी मेजर जनरल जेपी सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के सम्मान के लिए आयोजित किया गया है, जिन्होंने 26 जनवरी को दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि देशभर में 17 लाख से अधिक एनसीसी कैडेट हैं, जबकि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में एक लाख से अधिक कैडेट सक्रिय हैं। बीते वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश छठे स्थान पर रहा था, 2025 में पांचवें स्थान पर पहुंचा और 2026 में उल्लेखनीय सुधार करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है।

सुप्रीम कोर्ट और समाज के बीच फंसी कार्रवाई

एससी-एसटी के मामलों में फूंक फूंककर कदम रख रही सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर राज्य सरकार बेहद सावधानी बरत रही है। हाल के दिनों में सामने आए विवादित बयानों और कानूनी पेचीदगियों के बीच सरकार किसी भी सख्त कार्रवाई के बजाय बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में है। मामला चाहे कैबिनेट मंत्री विजय शाह का हो या अजाक्स अध्यक्ष संतोष वर्मा का, सरकार की धीमी कार्यप्रणाली के पीछे गहरे राजनीतिक मायने और आगामी बजट सत्र की रणनीतियां छिपी हुई हैं।

विवादित बयानों पर कार्रवाई की धीमी रफ्तार

एसटी वर्ग के बड़े नेता और मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई असभ्य टिप्पणी का मामला हो, या आइएएस अधिकारी संतोष वर्मा का ब्राह्मण बेटियों को लेकर दिया गया विवादास्पद बयान, शासन की कार्रवाई फिलहाल ठंडी पड़ती नजर आ रही है। विजय शाह के मामले में जहां सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को अस्वीकार कर दिया है, वहीं सरकार अब शीर्ष अदालत से और समय मांगने की तैयारी में है। दूसरी ओर, संतोष वर्मा के विरुद्ध चल रही जांच की गति को भी धीमा कर दिया गया है।

राजनीतिक नुकसान और 2018 का डर

सरकार की इस हिचकिचाहट के पीछे सबसे बड़ा कारण वोट बैंक का गणित है। भाजपा को डर है कि यदि इन प्रभावशाली चेहरों के विरुद्ध कोई बड़ा कदम उठाया गया, तो आदिवासी और दलित समाज में गलत संदेश जा सकता है। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी समाज का झुकाव कांग्रेस की ओर होने के कारण भाजपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। सत्ता और संगठन भली-भांति जानते हैं कि संतोष वर्मा और विजय शाह अपने-अपने समाज के बड़े चेहरे बन चुके हैं और उनके विरुद्ध कार्रवाई से राजनीतिक समीकरण बिगड़ सकते हैं।

सामान्य वर्ग और एससी-एसटी के बीच कड़वाहट

प्रदेश में सामान्य और आरक्षित वर्ग के बीच तनातनी का इतिहास पुराना है। जून 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के माई का लाल वाले बयान ने सामान्य और ओबीसी वर्ग को एकजुट कर दिया था, जिसका नुकसान पार्टी ने उठाया था। इसके बाद पदोन्नति में आरक्षण का मुद्दा भी 2016 से अनसुलझा है, जिससे दोनों ही पक्ष असंतुष्ट हैं। हाल ही में यूजीसी के समानता विनियम 2026 ने सवर्ण समाज को फिर से एकजुट कर दिया था, हालांकि फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

बजट सत्र और डैमेज कंट्रोल की रणनीति

16 फरवरी से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र से पहले सरकार विपक्ष को कोई मुद्दा नहीं देना चाहती। एक तरफ जहां सरकार एससी-एसटी वर्ग पर दर्ज मामलों का निराकरण एक माह में करने के निर्देश देकर उन्हें साधने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी ओर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बीच समय की मांग कर राहत पाने का प्रयास किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि कोर्ट के दबाव और सामाजिक संतुलन के बीच सरकार खुद को कैसे सुरक्षित रख पाती है।

कर्नल सोफिया मामले में 9 फरवरी को है सुनवाई

भाजपा कार्यालय पहुंचे विजय शाह, कैमरे से मुंह छिपाकर निकले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कर्नल सोफिया को लेकर दिए गए बयान पर सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई से पहले जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह शुक्रवार को भोपाल स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उनका ये कार्यक्रम पहले से तय था।

बीजेपी दफ्तर से बाहर निकलते ही जैसे ही मीडिया ने सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई और अभियोजन स्वीकृति को लेकर सवाल पूछे, मंत्री विजय शाह कोई जवाब दिए बिना कैमरों से बचते हुए सीधे कार में बैठकर रवाना हो गए। मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन (प्रोसिक्यूशन) की मंजूरी के मामले में मध्यप्रदेश सरकार को 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना है। इससे पहले कोर्ट ने राज्य सरकार को 15 दिनों के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। सरकारी

और राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से और समय मांग सकती है। तर्क यह दिया जाएगा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और विस्तृत परीक्षण जरूरी है। यही रुख शुरुआत से मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (का भी रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस मसले पर पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ अटार्नी जनरल और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से भी सलाह ली गई है। लंबी चर्चा के बाद यह संकेत मिले हैं कि सरकार 9 फरवरी की सुनवाई में समय विस्तार की मांग कर सकती है, जिससे सुनवाई आगे बढ़ने की संभावना है।

शाह ने पिछले साल महू में दिया था बयान

11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था- उन्होंने (आतंकियों ने) कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा- अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है, तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

सरकार ने रिपोर्ट दिल्ली भेजी

मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी मंशा से जुड़ी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करने के लिए दिल्ली भेज दी है। इस संबंध में एसीएस गृह शिवशेखर शुक्ला, सचिव गृह कृष्णा वेणी देशावतु और अतिरिक्त सचिव मनीषा सेंतिया दिल्ली गए थे। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार, 9 फरवरी को अभियोजन से जुड़े बिंदु पर सुनवाई संभावित है, जबकि 11 फरवरी को मामले के अन्य पहलुओं पर सुनवाई हो सकती है। विजय शाह प्रकरण की जांच तीन सदस्यीय एसआईटी कर रही है, जिसमें प्रमोद वर्मा, कल्याण चक्रवर्ती और वाहिनी सिंह शामिल हैं। एसआईटी पहले भी विस्तृत जांच के लिए अतिरिक्त समय मांग चुकी है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सख्ती, 7 जिलों में 35 कार्यों का औचक निरीक्षण

भोपाल। लोक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार हेतु तैयार कार्ययोजना के अंतर्गत प्रदेश में विभाग के निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की व्यवस्था की गई है। मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा 5 फरवरी को भोपाल, डिंडौरी, अशोकनगर, इंदौर, शहडोल, नीमच एवं सागर जिलों में रेण्डम आधार पर 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

7500 आरक्षक पदों के लिए फिजिकल टेस्ट इसी माह

23 फरवरी से प्रदेश के दस स्थानों पर होगी 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक टेस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस आरक्षक के 7500 पदों के लिए हुई परीक्षा के लिए इसी माह 23 फरवरी से फिजिकल टेस्ट शुरू होंगे। पुलिस मुख्यालय ने इसके लिए प्रदेश के दस स्थानों का चयन किया है जहां भर्ती परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए हाजिर होना पड़ेगा। इस दौरान चयनित उम्मीदवारों को दौड़, लंबी कूद और गोला फेंक में अपनी दक्षता साबित करना होगी।

आरक्षक जीडी के 7500 पदों पर भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल द्वारा ऑनलाइन परीक्षा 30 अक्टूबर 2025

से 15 दिसम्बर 2025 कराई गई थी। परीक्षा के रिजल्ट 25 जनवरी 2025 को कर्मचारी चयन मंडल द्वारा वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं। इसके बाद अब शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीपीटी) ली जाएगी। इसमें उम्मीदवारों को 800 मीटर दौड़, लंबी कूद और गोला फेंक तथा दस्तावेजों का परीक्षण दस स्थानों पर किया जाएगा।

सुबह 6 बजे से शुरु होगा टेस्ट

23 फरवरी से 13 मार्च के बीच यह परीक्षा होगी जिसमें 2 मार्च, 3 मार्च और 8 मार्च को परीक्षा नहीं होगी। इन तिथियों में अवकाश रहेगा। फिजिकल टेस्ट रोज सुबह 6 बजे से शुरू होगा। ऑनलाइन परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के लिए कर्मचारी चयन मंडल से सूचना पत्र जारी किए जाएंगे। फिजिकल टेस्ट के लिए आधार, ईकेवाईसी सत्यापन कराया जाएगा। उम्मीदवार को अपना आधार कार्ड साथ ले जाना होगा। साथ ही सभी मूल दस्तावेज भी स्वयं प्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा।

द्वारिकाधीश लोक निर्माण में बदलाव, लाल पत्थर की जगह स्टोन का होगा इस्तेमाल

ग्वालियर। थाटीपुर स्थित करीब 125 वर्ष पुराने द्वारिकाधीश मंदिर परिसर में निर्माणाधीन द्वारिकाधीश लोक का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्माण कार्य में पहले राजस्थान के बंशीपुर पहाड़ के लाल पत्थर का उपयोग किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब एकरूपता बनाए रखने के लिए ग्वालियर स्टोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मंदिर समिति के अनुसार, भगवान द्वारिकाधीश के गर्भगृह का निर्माण पहले से ही सफेद ग्वालियर पत्थर से किया गया है। ऐसे में लोक निर्माण में लाल पत्थर का उपयोग करने से गर्भगृह और अन्य संरचनाओं के स्वरूप में असमानता दिखाई देती। इसी कारण समिति ने गर्भगृह से छेड़छाड़ किए बिना पूरे परिसर में ग्वालियर स्टोन उपयोग करने का निर्णय लिया है।

मप्र में सरकारी नौकरियों की राह हुई कठिन

ESB की भर्ती परीक्षाओं में फिर लौटेगी निगेटिव मार्किंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की भर्ती परीक्षाओं में फिर से निगेटिव मार्किंग शुरू की जाएगी। मप्र कर्मचारी चयन मंडल के संचालक मंडल की गुरुवार को मंत्रालय में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि पूर्व में कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग की जाती थी, लेकिन वर्ष 2011-12 परीक्षाओं में नेगेटिव मार्किंग बंद कर दी गई थी। परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की ओर से लगातार परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग शुरू की मांग की जा रही थी, ताकि अभ्यर्थी परीक्षाओं को गंभीरता से लें। इसे देखते हुए मप्र कर्मचारी चयन मंडल के संचालक मंडल ने लंबे विचार-विमर्श के बाद भर्ती परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग शुरू करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नई परीक्षा प्रणाली लागू होने पर परीक्षा में किसी प्रश्न का गलत उत्तर टिक करने पर सही उत्तर से निश्चित अंक काटे जाएंगे।

इन चीजों पर निर्णय जल्द

गलत उत्तर देने पर सही उत्तर से कितने अंक कटेंगे, इस पर अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मप्र कर्मचारी चयन मंडल की जिन भर्ती परीक्षाओं के लिए पूर्व में नियम बन चुके हैं, उनको छोड़कर भविष्य में होने वाली सभी परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग की जाएगी।

मेट्रो एंकर — स्थानीय युवाओं को मिल रहे हैं रोजगार के अवसर

खिवनी अभयारण्य बन रहा है इको-टूरिज्म का आकर्षण केन्द्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विंध्य पर्वतमालाओं की गोद में स्थित खिवनी अभयारण्य मध्यप्रदेश के उभरते हुए इको-टूरिज्म स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। देवास और सीहोर जिलों की सीमा पर फैला लगभग 134 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाला यह अभयारण्य प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव शोधकर्ताओं और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित कर रहा है। घने जंगल, पर्वत घाटियां, बहते नदी-नाले और समृद्ध जैव विविधता इसे एक अनूठा प्राकृतिक स्थल बनाते हैं। ईको-पर्यटन विकास बोर्ड के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। सफारी संचालन, भोजन व्यवस्था, आवास प्रबंधन तथा लघु उद्योगों के माध्यम से स्थानीय युवाओं, महिलाओं और कारीगरों की आय में

वृद्धि हो रही है। अभयारण्य में https://mpforest.gov.in/ecotourism/ecobooking/destination.asp& के माध्यम से बुकिंग की जा सकती है। देवास जिले में स्थित इस अभयारण्य का लगभग 89.9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र देवास तथा 44.8 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र सीहोर जिले में आता है। खिवनी अभयारण्य में वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन के बीच संतुलन का सुंदर उदाहरण देखने को मिलता है। यहां ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के साथ अनेक औषधीय पौधों की प्रजातियां भी पाई जाती हैं, जो इसकी प्राकृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। अभयारण्य में पर्यटकों के ठहरने के लिये सर्व-सुविधायुक्त टूरिस्ट कैंपस विकसित किया गया है, जिसमें कॉटेज, टेंट, वॉच टावर, पैगोडा और भोजन की व्यवस्था उपलब्ध है।

पर्यटन मानचित्र पर लाने के प्रयास

खिवनी अभयारण्य को पर्यटन मानचित्र पर व्यापक स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नियमित मॉनिटरिंग के साथ पर्यटकों की सुविधाओं के समुचित प्रबंधन किया जा रहा है। खिवनी अभयारण्य भोपाल-इंदौर मार्ग पर आष्टा से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इंदौर-नेमावर-हरदा मार्ग से कन्नौद होकर भी यहां पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन हरदा तथा निकटतम हवाई अड्डे इंदौर और भोपाल हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, वन्यजीवों की विविधता और शांत वातावरण के कारण खिवनी अभयारण्य पर्यटकों की नई पसंद बनता जा रहा है और मध्यप्रदेश के इको-टूरिज्म को एक नई दिशा दे रहा है।

वन्यजीव और जैव विविधता की समृद्ध धरोहर- खिवनी अभयारण्य में मांसाहारी वन्यजीवों में बाघ, तेंदुआ, भालू, लकड़बग्घा, सोनकुत्ता, जंगल कैट, गोल्डन जैकाल, एशियन पाम सिवेट सहित अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं, वहीं शाकाहारी जीवों में चीतल, सांभर, नीलगाय, चौसिंगा, कृष्णमृग, जंगली सूअर और खरहा प्रमुख हैं। पक्षियों की लगभग 170 प्रजातियां तथा तितलियों की करीब 65 प्रजातियां इस अभयारण्य की जैव विविधता को और समृद्ध बनाती हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल- अभयारण्य में बाल गंगा मंदिर, कलम तलई सनसेट पॉइंट, ईको व्यू पॉइंट, गोल कोठी, खिवनी मिडो, शंकर खो एवं भदभदा झरने, भूरी घाटी और दौलतपुर घाटी जैसे अनेक आकर्षक स्थल हैं। विशेषकर वर्षाकाल में झरनों,

बुजुर्गों को इलाज का हक

जिस उम्र में जीवन को सबसे अधिक सहारे, संवेदना और सुरक्षा की जरूरत होती है, उसी उम्र में व्यवस्था की बेरुखी सबसे तीखी चुभन बनकर सामने आती है। आयुष्मान भारत योजना का सपना था कि देश का कोई भी बुजुर्ग इलाज के अभाव में बेबस न रहे। लेकिन सतना और मैहर जिलों के आंकड़े इस सपने को कठोर यथार्थ से टकराते हुए दिखाते हैं। कागजों में मजबूत दिखने वाली यह योजना जमीन पर बुजुर्गों तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ती नजर आती है। सतना जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 77 हजार से ज्यादा पात्र वरिष्ठ नागरिकों में से अब तक महज 29 हजार के आसपास आयुष्मान कार्ड बन सके हैं। यानी करीब 62 प्रतिशत बुजुर्ग आज भी उस सरकारी सुरक्षा कवच से बाहर हैं, जो उन्हें सम्मानजनक इलाज का अधिकार देता है। यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता की भी परीक्षा है। विकासखंडों की स्थिति इस विडंबना को और उजागर करती है। नगर निगम क्षेत्र जैसे शहरी इलाकों में, जहां संसाधनों की कमी नहीं होनी चाहिए, वहां सबसे कम प्रगति दर्ज होना बताता है कि समस्या संसाधनों की नहीं, इच्छाशक्ति की है। मैहर जिले की तस्वीर भी कुछ अलग नहीं। यहां 38 हजार से अधिक पात्र बुजुर्गों में से केवल 39 प्रतिशत को ही आयुष्मान कार्ड मिल पाया है। अमरपाटन और रामनगर जैसे ब्लॉकों में हालात और भी चिंताजनक हैं। सवाल यह नहीं कि लक्ष्य क्यों अधूरा है,बल्कि यह है कि जिन लोगों के लिए यह योजना बनाई गई थी, वे अब तक इससे वंचित क्यों हैं? आयुष्मान भारत योजना महज एक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम नहीं, बल्कि भरोसे का वादा है। यह वादा कि बीमारी के समय कोई बुजुर्ग इलाज के अभाव में टूटेगा नहीं। लेकिन जब महीनों तक कार्ड नहीं बन पाते, जब दफ्तरों और पोर्टलों के बीच लोग भटकते रहते हैं, तो यह भरोसा दरकने लगता है। आंकड़ों की इस ठंडी दुनिया के पीछे हजारों परिवारों की चिंता, असहायता और टूटती उम्मीदें छिपी हैं। आज जरूरत है आत्ममंथन की। क्या योजनाओं की सफलता केवल फाइलों में दर्ज प्रतिशत से तय होगी? क्या बुजुर्गों के लिए बनी योजना को भी लक्ष्य और उपलब्धि के गणित में उलझाकर रख दिया जाएगा? प्रशासन के सामने अब सिर्फ आंकड़े सुधारने की नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन की मिसाल पेश करने की चुनौती है। यदि सचमुच 'सबका साथ, सबका विकास' का सपना साकार करना है, तो सबसे पहले उन लोगों तक पहुंचना होगा, जिनकी आवाज सबसे कमजोर है। बुजुर्गों को इलाज का अधिकार समय पर मिलना चाहिए, न कि लंबी प्रतीक्षा के बाद।

सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरुआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है। मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरुआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं। स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरुआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है। आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं।

दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है। अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरुआती चरण में पकड़ने में मदद करता है। समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है।

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा। बच्चों की आंखों की सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का सवाल नहीं, बल्कि उनके पूरे भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आधिपत्य के लिए होता ताकत का इस्तेमाल वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

डॉ. हिदायत अहमद खान
स्तंभकार

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है।

इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं।

बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब वह बड़े और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, सुरक्षित और रणनीतिक निवेशों पर ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही रूस और उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि अमेरिका-विरोध जैसे तात्कालिक हितों पर आधारित प्रतीत होती है, जिसका असर संयुक्त राष्ट्र में समन्वित मतदान के रूप में दिखता है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि चीन पूरी वैश्विक व्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित करने की जल्दबाजी में नहीं दिखता। फिलहाल बीजिंग की प्राथमिकता अपनी घरेलू राजनीतिक स्थिरता और कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता को सुरक्षित रखना है। इस दिशा में भी उसने मौजूदा वक्त में अनेक सख्त फैसले लिए हैं और अनेक जिम्मेदारों को सजा तक देने से पीछे नहीं हटा है। वह केवल उन्हीं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है, जहां उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हों। असल में चीन का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व से अधिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को सीमित करना है, जिसकी झलक दक्षिण चीन सागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों से भी मिल जाती है। अंततः आज की दुनिया एक एकध्रुवीय व्यवस्था से बहुध्रुवीय संतुलन की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन के बीच यह प्रतिस्पर्धा केवल शक्ति की नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करने की भी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि दुनिया किसी एक सुपर पावर के नेतृत्व को स्वीकार करती है या साझा, संतुलित और बहुपक्षीय व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

यूजर्स गाइड

गाड़ी की RC के लिए दफ्तर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं, मोबाइल पर मिलेगी डिजिटल कॉपी

कई बार होता है कि गाड़ी की RC यानी कि रजिस्ट्रेशन सर्टिफेकट खो जाता है या फिर फट जाता है। दरअसल आज भी कई राज्यों में स्मार्ट कार्ड वाली ऋ की जगह कागज के पर्चे की शक्ल में RC मिलती है। ऐसे में आपको आरटीओ दफ्तर के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। आप VAHAN 4.0 के जरिए घर बैठे ही मिनटों में अपनी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की डिजिटल कॉपी पा सकते हैं।

VAHAN 4.0 वाहन के रजिस्ट्रेशन और उससे जुड़े प्रोसेस को आसान बनाने के लिए बनाया गया

प्लेटफॉर्म है। इसे भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा विकसित किया गया है। यह प्लेटफॉर्म पूरे देश के लिए एक ही डेटाबेस का इस्तेमाल करता है। ऐसे में अलग-अलग राज्यों के RTO के बीच डेटा शेयर करना आसान और पारदर्शी हो गया है। इस ऑनलाइन पोर्टल से कई काम लिए जा सकते हैं जैसे कि वाहन रजिस्ट्रेशन, ओनरशिप ट्रांसफर, रोड टैक्स पेमेंट, फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट जारी करना और हाइपोथेकेशन यानी RC से वाहन लोन से जुड़ी जानकारी जोड़ना या हटाना।

अगर आप तुरंत RC पाना चाहते हैं, तो Vahan 4.0 के जरिए उसकी डिजिटल कॉपी को डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने कंप्यूटर या फोन पर RC Download को गूगल करना होगा। इसके बाद रिजल्ट में आने वाले सबसे पहले लिंक VAHAN 4.0 पर क्लिक करें। अब अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर के आखिरी 5 नंबर दर्ज करें। इसके बाद आपके नंबर पर OTP भेजकर आपकी पहचान को वेरिफाई किया जाएगा। इसके बाद आप पीडीएफ के तौर पर आपकी RC डाउनलोड हो जाएगी।

अगर आप चाहें, तो फोन में Digilocker ऐप डाउनलोड करके भी आसानी से RC फोन पर पा सकते हैं। इसके लिए पहले Digilocker में लॉगइन कर लें। इसके बाद Vehical Registration सर्च करें और अपना राज्य चुने। रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर दर्ज करें। अब आपके RC की डिजिटल कॉपी फोन पर डाउनलोड हो जाएगी।

सुविचार

जिंदगी आपकी तभी रोशन होगी,
जब आप उसमें खुद ही जलोगे।
-अज्ञात

निशाना है कुटिल अभियान..!

कान्ति शुक्ला

कब तलक सहते रहें भ्रष्टाचरण।
लोभ का होगा नहीं क्या संवरण।
छोड़ कर चल दीं नगर को तितलियां
देखते हैं अब कहाँ लेंगी शरण।
स्वार्थ के वश में सतत संलिप्त हो
है बिगाड़ा देश का वातावरण।
अब जरा जर्जर पड़ी एकांत में
कौन सुनता है पुराने संस्मरण।
कुछ हृदय में और कुछ व्यवहार में
एक आनन पर बहुत से आवरण।
हैं कुटिल अभियान मौसम ने रचे
ज्यों भयावह त्रासदी के अवतरण।
व्याप्त हैं सर्वत्र मानक आधुनिक
पश्चिमी संस्कृति का अंधा अनुकरण।
ढूंढते पग-चिन्ह वह हम पूर्वजों का
जिस महाजन पंथ का हो अनुसरण।

इनोवेशन

एनवीडिया का सुपर कंप्यूटर से भी तेज AI मॉडल कई गुना तेजी से मिलेगा तूफान का अलर्ट

मौसम का सटीक अनुमान लगाने के लिए वैज्ञानिक अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI इस काम में भी मददगार होगा। AI की मदद से तूफान की भविष्यवाणी और सटीकता से की जाएगी जिससे जानमाल का नुकसान कम करने में मदद मिलेगी। यह सब संभव होगा दिग्गज कंपनी एनवीडिया (Nvidia) के नए एआई मॉडल से, जिसका नाम Earth-2 है। कहा जा रहा है कि सुपरकंप्यूटर से भी फास्ट इन एआई मॉडलों की मदद से मौसम भी भविष्यवाणी और जलवायु परिवर्तन का अनुमान लगाना पूरी तरह से बदल सकता है। इनमें से कुछ का इस्तेमाल शुरू भी हो गया है।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी ने Earth-2 नाम से एआई मॉडलों को पेश किया है। इन मॉडलों में CorrDiff, FourCastNetx, Medium Range, Nowcasting, Global Data Assimilation और PhysicsNeMo जैसे फ्रेमवर्क शामिल हैं। इनमें से PhysicsNeMo को AI-फिजिक्स मॉडलों को ट्रेनिंग देने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। ये सभी मॉडल- सैटेलाइट और रडार व मौसम स्टेशनों से मिली जानकारी को एक जगह इंटीग्रेट करके हमारे वायुमंडल की स्थिति का सटीक आकलन करते हैं।

जेनरेटिव एआई का इस्तेमालः Earth-2 एआई मॉडलों के कई फ्रेमवर्क जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल करते हैं। इससे भविष्यवाणी करना ज्यादा फास्ट हो जाता है। दावा है कि मौजूदा तकनीक से 500 गुना फास्ट यह एआई मॉडल मौसम की भविष्यवाणी कर सकते हैं। Earth-2 एआई मॉडलों में जितने भी फ्रेमवर्क हैं, उनके अलग-अलग काम हैं। टेक रडार की रिपोर्ट के अनुसार, CorrDiff फ्रेमवर्क, जनरेटिव AI आर्किटेक्चर का इस्तेमाल करके महाद्वीप के लेवल से जुड़े अनुमानों को रीजनल अनुमानों में बदल देता है। इसी तरह से FourCastNet3 का काम हवा, टेंपरेचर और नमी का सटीक अनुमान लगाना है। दावा है कि यह ट्रेडिशनल मॉडल से 60 गुना तेज भविष्यवाणी करता है। इसी तरह से PhysicsNeMo मॉडल का काम AI-फिजिक्स मॉडलों को ट्रेन करना है। रिपोर्ट के अनुसार, मौसम की भविष्यवाणी करने वाले संगठनों और वैज्ञानिक रिसर्च, दोनों के लिए यह उपयोगी है।

Earth-2 इतना एडवांस और होशियार है कि यह वायुमंडल में हो रहे बदलावों को चंद सेकंड में भांप लेता है। इस काम को करने में सुपरकंप्यूटरों को घंटों लग जाते हैं। अगर किसी बदलाव को कुछ सेकंड में भांप लिया जाए तो लोगों तक अलर्ट जल्दी भेजा जा सकता है। एनवीडिया के कुछ फ्रेमवर्क का इस्तेमाल कई देशों के मौसम विभाग पहले से कर रहे हैं।

अजब - गजब

कभी अमीरों का टूरिस्ट डेस्टिनेशन हुआ करता था ये शहर, 40 सालों से है वीरान

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां दूर-दूर से लोग घूमने जाते हैं और वहां का आनंद उठाते हैं। पर सोचिए कि अगर ऐसा कोई टूरिस्ट डेस्टिनेशन अचानक से वीरान हो जाए और उसे लोग भुतहा शहर कहने लगें तो क्या होगा? ऐसा ही एक शहर सिप्रस में मौजूद है। एक वक्त ऐसा था जब इस शहर का एक इलाका इतना फेमस था कि यहां सेलिब्रिटी और आम लोग घूमने जाया करते थे। पर 40 सालों से शहर वीरान है। सवाल ये उठता है कि आखिर यहां से लोग कहां चले गए?

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार वरोशा, सिप्रस के तट पर एक शांत शहर है, जिसका नाम फामागुस्ता है। इस शहर में एक इलाका है, जिसे वारोशा कहते हैं। ये इलाका बहुत फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन था। कई अमीर और बड़े सेलिब्रिटी यहां पर छुट्टियां मनाने आ चुके हैं। यहां कई बड़े होटल, स्टाइलिश रेस्टोरेंट, और भीड़भाड़ वाली सड़कें थीं। लोग तो इसे सिप्रस का फ्रेंच रिवेरिया कहा करते थे। पर अब ये इलाका पूरी तरह खाली है। इस वजह से इसे घोस्ट टाउन कहा जाता है। यहां पर न टूरिस्ट आते हैं न ही कोई रहता है। सड़कें शांत हैं, इमारतें टूट चुकी हैं, होटल-दुकानें भी तहस-नहस हो चुकी हैं। टूरिस्ट्स को इस इलाके में जाने से रोका जाता है। अब सवाल ये उठता है कि आखिर इस शहर का ये हाल कैसे हो गया? दरअसल, वरोशा का डाउनफॉल 1974 से शुरू हो गया था। 1974 में सिप्रेस में ग्रीस के द्वारा प्रायोजित हिंसा हुई जिसकी वजह से वहां तख्तापलट हो गया। उसी समय तुर्की ने सिप्रस पर कब्जा कर लिया। फैमागुस्ता शहर इस हिंसा के मध्य में था। जैसे ही तुर्की के जवान देश में घुसे, ग्रीस और सिप्रेस के नागरिकों ने वरोशा को छोड़ दिया और जान बचाकर भाग निकले। लोगों ने सब कुछ पीछे छोड़ दिया। बर्तनों में खाने पड़े थे, शादी के तोहफे खुले नहीं थे, बच्चों के खिलौने जमीन पर ही पड़े हुए थे। कई परिवारों को लगा था कि वो लौटकर आएंगे, मगर वो नहीं लौट सके।

अभी भी सुनसान पड़ा है शहरः कब्जे के बाद तुर्की की आर्मी ने पूरे इलाके को बंद किया दिया। कटीले तार लगा दिए गए और वरोशा के चारों ओर सैनिक तैनात कर दिए गए। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। धीरे-धीरे प्रकृति ने अपना रूप दिखाया और शहर में पेड़-पौधे उग गए, दीवारों पर काई जम गई और शहर ऐसा दिखने लगा जैसे समय में रुक गया हो। 40 साल बाद भी वरोशा पूरी तरह खाली है। शहरों में अभी भी वॉर्निंग साइन लगे दिख जाते हैं, जो कहते हैं, अंदर जाना मना है या फिर फोटो खींचना मना है। हालांकि, 2003 के बाद कुछ पूर्व नागरिकों को शहर के कुछ हिस्सों में घुसने की अनुमति दे दी गई थी। उन्हें तब वहां जो दिखा, वो ज्यादा ही हैरान करने वाला था। पुरानी कारें शोरूम के अंदर मौजूद थीं, दुकानों की कांच की खड़कियां टूटी हुई थीं। होटल डैमेज हो चुके थे, खाली कमरे थे। अब वरोशा के बीच पर कछुए अंडा देते हैं। होटल की बालनियों पर पौधे उगे रहते हैं।

न्यूज विंडो

महिलाओं को किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नर्मदांचल व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र आवाम नगर में शुक्रवार को थाना प्रभारी गौरव बुंदेला द्वारा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता किया गया, इस एक दिवसीय शिविर में लगभग 50 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में श्री बुंदेला ने अपने उद्बोधन में बताया कि टेक्नोलॉजी के जमाने में आज किस तरह की चुनौतियां पैदा हो गई हैं और हमें उनसे किस प्रकार की सावधानियां रख कर बचा जा सकता है उन्होंने बताया कि आज किस तरह के साइबर फ्रॉड हो रहे हैं, अतः इस पर जागरूकता अनिवार्य है और उनका शिविर लगाने का मकसद भी यही है।कार्यक्रम में संस्था संचालक अजय मंजारिया ने श्री बुंदेला को जिले में उत्कृष्ट कार्य सम्मानित किए जाने पर बधाई दी, संस्था संचालिका अमीना गोलंदाज ने सभी का आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में संस्था सहयोगी शेख राशिद, शेख अमजद, नाजनीन बी, इशरत बी, फरहत, रंजना मेहरा , राजकुमार सोनिया , शहनाज चंदेल एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

ब्लैकस्पॉट हटाने हेतु निर्माण विभाग सक्रिय- कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर सोनिया मीना ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न विभागों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने हाईवे व प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाने, ब्लैकस्पॉट सुधारने और राहवीर योजना का प्रचार तेज करने पर जोर दिया।कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को अतिक्रमण हटाने की नोटिसों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले के चिन्हित ब्लैकस्पॉट पर अंडरपास, रंबल स्ट्रिप, स्पीड ब्रेकर जैसे सुरक्षा उपाय तत्काल लागू करने को कहा। साथ ही लोक पथ ऐप का जनसामान्य में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आदेश दिया, ताकि सड़क सुरक्षा व मरम्मत की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो।बैठक में वाहनों को सही लेन में चलाने हेतु नियमित चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश जारी हुए। राहवीर योजना के तहत गोल्डन आवर में दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित उपचार सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कैशलेस उपचार योजना के लिए निजी अस्पतालों को दिशा-निर्देश जारी करने, जिला अस्पताल में समर्पित सेल गठित करने और मेडलेपर प्रक्रिया को 100 फीसदी ऑनलाइन रखने के निर्देश दिए। पुलिस समन्वय से स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण भी देने को कहा। स्कूलों व कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान नियमित चलाने के आदेश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, अपर कलेक्टर अनिल जैन, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा सहित अधिकारी मौजूद रहे।

दिनभर दिखाई दिया वर्ल्ड कप फाइनल का रोमांच

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले का रोमांच शुक्रवार को शहर में दिखाई दिया। वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबले को देखने के लिए खेलप्रेमी दिनभर मोबाइल के सामने डटे दिखाई दिए। पहले बल्लेबाजी के दौरान भारत के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के धमाकेदार 175 रनों की पारी को सबने सराहा। भारत ने अपनी पारी में 411 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने भी जोरदार बल्लेबाजी की लेकिन विकेट लगातार गिरते गए। भारत के गेंदबाजों ने भी अच्छी गेंदबाजी की। मुकाबले में भारत की जीत के बाद सोशल मीडिया पर जीत की बधाईयों का दौर चलता रहा।

नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी गिरफतार

सिरोंज। भोपाल रोड पर स्थित ग्रामीण इलाके में नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने अपने गांव में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर दी। शिकायत के बाद मामले में सिरोंज पुलिस ने आरोपी को गिरफतार कर लिया है।

इटारसी-बैतूल मार्ग पर कार नहर में गिरी, तीन युवकों की दर्दनाक मौत

कड़ी मशक्कत के बाद कार को लोगों की मदद से जेसीबी और ट्रेक्टर से टोचन कर बाहर निकाला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बीती रात करीब साढ़े 11से 12 बजे के बीच इटारसी-बैतूल मार्ग पर पथरोटा नहर के पास एक कार अनियंत्रित होकर नहर की रेलिंग तोड़ते हुए नहर मे गिर गई, रेलिंग से टकराने की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े, लेकिन सभी मूक दर्शक बनाकर देखते रहे, तो कोई मोबाइल से रील बनाते रहे, इस बीच एक युवक ने कार में फंसे लोगों को बचाने के लिए नहर में छलांग लगा दी, लेकिन कार के पानी में पूरी तरह डूब जाने से प्रयास विफल रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पथरोटा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार निकालने की कोशिश की, जो सफल न हो सकी।करीब डेढ़ बजे के करीब नर्मदापुरम से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने नहर मे नाव उतारकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लंबी मशक्कत के बाद कार को लोगों की मदद से जेसीबी और ट्रेक्टर से टोचन कर बाहर निकाला गया। कार में सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।पुलिस ने तीनो शवों को कार से निकाल कर एम्बुलेंस से रात मे शासकीय अस्पताल पहुंचा दिया था थाना प्रभारी संजीव पवार ने बताया की मृतकों की पहचान लक्की पिता भवानीशंकर पटेल 30 वर्ष रैसलपुर, शिवम पिता महेश तिवारी 25 वर्ष ग्राम चीरपानी थाना पथरोटा और अभि पिता राजेश चौहान 20 वर्ष पुरानी इटारसी के रूप में हुई है। मामले मे पुलिस जांच शुरू कर दी है आसपास ढाबो और पेट्रोल पम्प पर लगे सीसीटीवी देख रही, हर बिंदु पर जांच कर रही है ताकि ये मालूम हो सके की कार कैसे अचानक अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई।

पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि पथरोटा नहर मे कार गिर गई है यहां आकर देखा गाड़ी पानी मे पूरी तरह से डूब गईं थी हल्का सा डिम लाइट दिख रहा था टीम ने एक से डेढ़ घंटे मे कार को बाहर निकाल लिया गया था कार के अंदर कांच पर संघर्ष के निशान मिले हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि युवकों ने खिड़कियां तोडने की भरपूर कोशिश की थी, लेकिन पानी के भारी दबाव और ऑक्सीजन की कमी ने उन्हें मौका नहीं दिया।

– **अमृता दीक्षित**, प्लाटून कमांडर, एसडीआरएफ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम. राम जी बाबा मेले मे शहर सहित आसपास के लोग पहुंच रहे है। मेला 10 फरवरी तक चलेगा।

पिपरिया में बाघ के हमले से युवक की मौत

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पिपरिया में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बाघ ने एक युवक पर हमला कर उसे मार डाला। बाघ युवक के शव को झोपड़ी से घसीटकर पास के जंगल में ले गया। शनिवार सुबह सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। यह घटना झिरिया (डैम मोहल्ला) से सटे जंगल में हुई, जो बनखेड़ी सामान्य परिक्षेत्र की डोकरिखेड़ा बीट के अंतर्गत आता है। मृतक की पहचान ग्राम बारीदेवी निवासी कमल ठाकुर (पिता शंन्नूलाल) के रूप में हुई है। एसडीओ फॉरेस्ट पिपरिया आशीष खोपरागडे को घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने बनखेड़ी रेंज के अधिकारियों को सूचित किया। बनखेड़ी के रेंज ऑफिसर (आरओ) सुमित पांडे ने बताया कि बाघ के हमले से कमल ठाकुर की मौत हुई है और उसका शव बरामद कर लिया गया है। घटनास्थल पर पिपरिया के आरओ दुर्गेश बिसेन सहित अन्य वनकर्मी भी पहुंचे। ग्रामीणों ने सुबह जंगल की झाड़ियों में शव पड़ा देखकर वन विभाग को सूचना दी थी। ग्रामीणों के अनुसार, बाघ ने रात में कमल पर हमला किया और उसके शव को झोपड़ी से घसीटकर जंगल में ले गया।

नर्मदापुरम में बहन की आई बारात, छोटी बहन की मौत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के सोहागपुर के ग्राम जमुनिया में शादी से पहले दुल्हन की छोटी बहन की संदिग्ध मौत हो गई। जिससे शादी की खुशियों के बीच घर में मातम पसर गया। युवती की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई। जिसकी सोहागपुर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मृतका रोशनी विश्वकर्मा है। मृतका और उसकी दो बहने और है। जिसमें बड़ी बहन शादीशुदा है। मंझली बहन मालती की 5 फरवरी को शादी थी। घर में मेहमान थे। शादी का कार्यक्रम चल रहा था। बारात घर पर आई थी। सभी लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे।

दोपहर में किया था डांस, सिर दर्द का बोल कर सोने गई थी

रात तक नहीं जागी तो अस्पताल ले गए

रोशनी दोपहर करीब 2 बजे से घर पर सो रही थी। परिजनों ने जब पूछा तो उसने सिर दर्द की बात कही और कहा कि मुझे सोने दो। रात करीब 8 बजे तक रोशनी नहीं जागी तो परिजन चिंतित हुए। तुरंत उसे सरकारी अस्पताल सोहागपुर लाया गया। रात करीब 11 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस को शादी के बाद विदाई के समय जानकारी दे दी थी। वहीं पुलिस ने शव को मर्चुरी रूम में रखवा दिया था। मौत की जानकारी लगते ही शादी समारोह में मातम पसर गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया। शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा

थाना प्रभारी उषा मरावी ने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। अभी तो जहरीली चीज खाने की आशंका है। मृतिका का बिसरा जांच के लिए भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर शहर के पुराना कोर्ट एरिया में एक पखवाड़े से लगातार चल रही जेसीबी

गुमठियों को हटाने के बाद जर्जर भवन में रह रहे लोगों को परिसर खाली करने नोटिस भेजे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पुराना कोर्ट एरिया के समतलीकरण को लेकर नगर पालिका प्रबंधन पूरी तरह सख्त रूख अपना रहा है। नपा द्वारा इस इलाके में अवैध कब्जा हटाने की प्रक्रिया एक पखवाड़े पहले शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान नपा अमले ने परिसर में स्थित सभी अवैध गुमठियों को हटाकर जमीन के समतलीकरण की प्रक्रिया शुरू करवाई थी। इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा भी नपा की इस कार्रवाई को देखने के लिए पहुंचे और जमीन को लेकर अपने सुझाव भी दिए। इसके बाद नपा की कार्रवाई और अधिक तेज हो गई। अब नपा द्वारा पुराना कोर्ट गेट परिसर में रहने वाले परिवारों को मकान खाली करने का नोटिस भी भेजा गया है। पूर्व में परिसर में रहने वाले लोगों को बारिश के पहले मकान खाली करने के नोटिस दिए जाते थे और हर बाद यह खानापूर्ति बनकर रह जाते थे। इस बार नपा द्वारा सर्दी के मौसम में जब नोटिस थमाए गए हैं तो रहवासी इसे गंभीर मानकर चल रहे हैं। यदि यह इलाका खाली हो जाता तो प्रशासन

की बड़ी सफलता होगी। इसकी वजह है पूरी तरह जर्जर हो रही पुराने कोर्ट की बिल्डिंग में रहने वाले अधिकांश परिवार सालों से काबिज हैं और सभी बेहद ही खतरनाक स्थिति में रह रहे हैं।

जनपद परिसर से सटी जमीन से पेड़ भी हटाए: पुराना कोर्ट परिसर में पीडब्लूडी आफिस के सटकर स्थित जमीन पर नपा की जेसीबी शुक्रवार को भी दिनभर चलती रही। समतलीकरण की इस प्रक्रिया में नपा द्वारा यहां पर लगे पेड़ भी कटवाए गए हैं। ये पेड़ भी खतरनाक स्थिति पैदा कर रहे थे। परिसर के समतलीकरण के बाद यहीं पर नपा द्वारा मुख्य बाजार की सड़क पर खड़े होने वाले दोपहिया वाहनों की पार्किंग की जाएगी। यदि यह हिस्सा पूरी तहर साफ हो जाता है तो करीब 500 दोपहिया वाहन खड़े हो सकेंगे। नपा द्वारा यहां पर सशुल्क पार्किंग की व्यवस्था बनाने की योजना बनाई गई है।

ठेला चालक भी यहीं पर स्थानांतरित होंगे: पुराना कोर्ट एरिया में नपा द्वारा पहली बार इतनी सख्ती से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की जा रही है। नपा द्वारा यहां पर मुख्य बाजार के ठेला चालक सब्जी और फल विक्रेताओं के साथ ही अन्य ठेला चालकों को भी स्थानांतरित करने की योजना है। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि ठेला चालकों को यहां पर अस्थायी जगह प्रदान की जाएगी। परिसर में हम बिजली सहित अन्य व्यवस्था भी करवा रहे हैं। इससे मुख्य बाजार की आवागमन व्यवस्था में काफी हद तक सुधार हो जाएगा।

1,86,000 रुपये कीमत के सोने के जेवरात बरामद

महिला यात्रियों के साथ झपटमारी कर वारदात करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

इटारसी. दोपहर मेट्रो

जीआरपी इटारसी को चलती ट्रेनों में महिला यात्रियों के साथ झपटमारी करने वाले एक गिरोह को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1,86,000 रुपये कीमत के सोने के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, ये बदमाश सॉफ्ट टारगेट के रूप में खिड़की के पास बैठी महिला यात्रियों को चुनते थे। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म छोड़ती या सिग्नल पर धीमी होती, आरोपी प्लेटफॉर्म के किनारे खड़े होकर झपट्टा मारते और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो जाते थे।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

यह कार्रवाई 1 फरवरी को कामायनी एक्सप्रेस में हुई एक घटना के बाद शुरू हुई, जहाँ पुणे निवासी सोमवारी गुप्ता के गले से बदमाश ने एक तोला वजनी मंगलसूत्र छीन लिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल, राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस टीम ने इटारसी, नर्मदापुरम और भोपाल सहित विभिन्न स्टेशनों के लगभग 400 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। 5 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर इटारसी आउटर जबलपुर छोर से घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ और फुटेज से मिलान के बाद आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू अहिरवार 22 वर्ष, निवासी बंदीछोड़, पिपरिया, जिला नर्मदापुरम। और आशीश कुशवाह 19 वर्ष निवासी मेहरोनी, जिला ललितपुर, उत्तर प्रदेश हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मंगलसूत्र और सोने के 19 दाने बरामद किए गए हैं। न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों को केंद्रीय कारागार नर्मदापुरम भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जीआरपी संजय चौकसे व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यूज विंडो

कपड़ा व्यापारी विकास जैन ने जहर खा कर की आत्महत्या

सागर. शहर के एक प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी विकास जैन उर्फ विक्की मोगली ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों ने आरोप लगाया कि विक्की को सूदखोर परेशान कर रहे थे। घटना के बाद जैन समाज में आक्रोश फैल गया. नाराज लोगों ने परिजनों के साथ सूदखोरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर शव रखकर चक्काजाम किया। विक्की जैन भाजपा नेता संजय जैन लाट के छोटे भाई थे। कोतवाली थाना क्षेत्र में बाहुबली कॉलोनी निवासी रेडीमेड कपड़ा व्यापारी विकास जैन उर्फ विक्की मोगली ने अज्ञात कारणों के चलते गुरुवार को जहरीला पदार्थ खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिवार वालों ने उन्हे भाग्योदय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रात को विकास जैन की मौत हो गई। परिजनो ने बताया कि मृतक विकास कर्ज को लेकर परेशान रहता था। उसने शहर के कुछ लोगों से कर्ज ले रखा था। चक्काजाम के दौरान सुसाइड नोट मिलने की भी चर्चा रही जिसमें कुछ नाम लिखे है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया। जिसके बाद परिजनों ने माता मढ़िया तिराहे के पास सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उन्होंने पैसों के लेनदेन में कुछ लोगों पर व्यापारी को परेशान करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने मामले में जांच कर उक्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

परिजनों ने सूदखोरों द्वारा परेशान करने का लगाया आरोप

सड़क पर शव रख कर किया चक्काजाम सूदखोरों पर कार्यवाई की मांग

जबलपुर से निर्दलीय पार्षद शफीक हीरा फरार

जबलपुर। जबलपुर के निर्दलीय पार्षद शफीक हीरा अपने कारनामों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। इन पर पुलिस ने 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। आरोप है कि पार्षद ने अपने सगे भांजे और अन्य साथियों के साथ मिलकर एक प्लाट पर अवैध कब्जा किया। शिकायत मिलने पर गोहलपुर पुलिस ने जांच की, जिसमें सामने आया कि फर्जी रजिस्ट्री कराकर लाखों रुपए का प्लाट अपने नाम करवा लिया गया था। करीब छह माह तक चली जांच के बाद पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पार्षद शफीक हीरा और उसके तीन अन्य साथी अब भी फरार हैं।

पुलिस ने 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया

संजय पाठक पर एक आवासीय योजना में करोड़ों रुपए की भूमि हेराफेरी का आरोप

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले से भाजपा विधायक संजय पाठक पर कटनी नगर निगम की एक आवासीय योजना में करोड़ों रुपए की भूमि हेराफेरी का आरोप लगा है। कांग्रेस नेताओं ने इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव (ACS) संजय दुबे से लिखित शिकायत की है। यह शिकायत कांग्रेस नेता कमल पांडे और दिव्यांशु अंशु मिश्रा ने कटनी प्रवास पर आए ACS संजय दुबे को सौंपी है। शिकायत के अनुसार, यह मामला कटनी नगर निगम की महत्वाकांक्षी आवासीय योजना क्रमांक 15 से जुड़ा है, जो अरिंदम होटल के सामने स्थित है। आरोप है कि योजना के तहत अधिग्रहित लगभग 20.50 एकड़ जमीन, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत करीब 400 करोड़ रुपए आंकी जा रही है, उसे नियमों को ताक पर रखकर अधिग्रहण से मुक्त कराया गया।

ई-चालान की राशि जमा न करने पर पंजीयन निरस्ती का नोटिस किया जारी

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित इन्टीग्रेटिड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण करने पर पाया कि कई वाहन चालकों द्वारा लगातार यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है तथा उनके ऊपर कई चालान लंबित प्रदर्शित हो रहे है। ऐसे वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन मामलों का विश्लेषण किया गया तो यह पाया कि वाहन चालकों द्वारा मुख्यतः रेड लाईट जम्प, बिना हेलमेट, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाना, जेब्रा मार्किंग क्रॉसिंग संबंधी अपराध किये जा रहे है। यह भी पाया गया कि ऐसे वाहनचालकों, वाहन स्वामियों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने के पश्चात् जो चालान उन्हें प्रेषित किये गये है, उन चालानों को उनके द्वारा जमा नहीं किया गया है, और यह चालान लंबित प्रदर्शित हो रहे है। इन्टेलीजेन्ट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से वर्ष 2025 में कुल 221798 चालान बनाये गये जिनकी चालान राशि रू. 69918400 थी। इन चालानों में से कुल 41007 वाहन चालक वाहन स्वामियों द्वारा कुल रू. 17466310 की राशि जमा की गई।

कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ उद्घाटन

लाड़ली लक्ष्मी योजना सामाजिक अनुसंधान का परिणाम है: शैलेन्द्र जैन

सागर। दोपहर मेट्रो

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'सामाजिक अनुसंधान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि राजनीति को सामाजिक क्षेत्र से अलग नहीं देखा जाना चाहिए। राजनीति की सफलता के पीछे सामाजिक अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लाड़ली लक्ष्मी योजना सामाजिक अनुसंधान का प्रत्यक्ष परिणाम है। वर्ष 2001 की जनगणना में लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 919 महिलाओं का था, जो सामाजिक असंतुलन को दर्शाता था। इस दिशा में लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसे प्रयासों से सकारात्मक परिवर्तन आया और 2011 में यह आंकड़ा 934 हुआ, जो 2023 तक बढ़कर लगभग 942 तक पहुंच गया। उन्होंने कहा कि ऐसी शोध संगोष्ठियां विचार-मंथन और सामाजिक परिवर्तन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। प्रमुख वक्ता डॉ. प्रमोद गुप्ता (लखनऊ विश्वविद्यालय) ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में अनेक शोध योग्य विषय हैं,

जिनका संवर्धन करते हुए नवीन शोध पद्धतियों को जोड़ना आवश्यक है।

विषय विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि सामाजिक, सांस्कृतिक और तार्किक आयामों पर आधारित शोध समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष मनीषा मिश्रा ने सामाजिक अनुसंधान को समाज का दर्पण बताया।

डॉ. महेश शुक्ला ने कहा कि जिज्ञासा ही शोध का मूल है, वहीं डॉ. श्रीकांत पाण्डेय (पूर्व आईएएस) ने कहा कि शोध तथ्यों का संग्रह नहीं, बल्कि बौद्धिक समृद्धि का माध्यम है।

शोध सामाजिक लाभ के लिए

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. नीरज दुबे, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा सागर संभाग ने कहा कि शोध व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक लाभ के लिए होना चाहिए और अनुसंधान को समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया जा सकता है।

शोध पत्रों का प्रकाशन

संगोष्ठी में प्राप्त 150 शोध पत्रों में से 76 शोध पत्रों का प्रकाशन दो खंडों में किया गया। प्रथम खंड में 42 हिंदी एवं द्वितीय खंड में 34 अंग्रेजी शोध पत्र शामिल हैं। उद्घाटन सत्र के पश्चात तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। स्वागत उद्बोधन डॉ. आनंद तिवारी (प्राचार्य) द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. रश्मि दुबे (समन्वयक संगोष्ठी) ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. संजय खरे (आयोजन सचिव) द्वारा किया गया।

मारपीट का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, एक कर्मचारी गंभीर घायल, इंदौर रेफर

बदनावर में शराब कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट और वाहनों में की तोड़फोड़

धार। जिले की बदनावर तहसील में शराब कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट का मामला सामने आया हैं, अवैध शराब की तस्केरी कर रहे कुछ लोगों ने वाहन रोकने की बात पर कर्मचारियों से विवाद किया।किया। जिसमें एक कर्मचारी गंभीर रुप से घायल हो गया हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर किया गया है। इधर पूरे मामले की जांच में स्थानीय पुलिस टीम जुट गई हैं, कुछ कर्मचारियों को हल्कीं चोट आई है।

दरअसल स्थानीय शराब ठेकेदार कंपनी के लोगों को सूचना मिली थी कि रतलाम क्षेत्र से एक वाहन बदनावर आ रहा हैं, इस वाहन में

अवैध शराब की पेटियां शुक्रवार सुबह ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई की जाएगी। शराब ठेकेदार के कर्मचारी इलाके में अवैध शराब की बिक्री पर निगरानी रखते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाहरी तस्कर शराब को इलाके में न बेचें। शुक्रवार अलसुबह के समय, शराब कंपनी के कर्मचारियों ने अवैध शराब से भरे एक वाहन का पीछा किया। यह वाहन लेबड़ नयागांव फोरलेन पर स्थित बोराली बस स्टैंड के पास स्पीड ब्रेकर पर जैसे ही धीमा हुआ तलाशी लेने के लिए कर्मचारियों ने उक्तस वाहन को रोक लिया। ग्राम बदनावर स्थित बस स्टैंड के पास एक मकान के सीसीटीवी कैमरे में इस पूरी घटना का फुटेज रिकॉर्ड हो गया।

वन विभाग ने घायल तेंदुए के शावक को रेस्क्यू कर पशु चिकित्सालय भेजा

धार। वन परिक्षेत्र कुक्षी के अंतर्गत ग्राम कुडर्दीपुरा में 5 फरवरी गुरुवार को प्रातः 10 से 11 बजे के बीच सूचना प्राप्त हुई कि दो तेन्दुआ शावक पेड़ पर चढ़े हुए है। सूचना प्राप्त होते ही वन मंडल अधिकारी धार श्री विजय नंथम टी.आर. के निर्देशन में वन स्टाफ मौका स्थल पर पहुंचा। वन स्टाफ द्वारा एकत्रित भीड को हटाया और तेंदुए के शावकों की पेड़ पर चढ़े होने की पुष्टि की गई। भीड हटते ही एक शावक पेड़ से नीचे उतरने लगा। जिसे देखकर लग रहा था कि वह घायल है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कुत्तों द्वारा शावकों को घायल कर दिया था। जिससे दोनों तेन्दुआ के शावक पेड़ पर चढ गये। भीड कम होते ही एक शावक जो स्वस्थ्य था, जंगल की ओर भाग गया। दूसरे घायल तेन्दुए के शावक को

वन स्टाफ द्वारा द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित वन परिक्षेत्र केम्पस कुक्षी लाकर उसका पशुचिकित्सक से उपचार कराया गया। उपचार के बाद पशुचिकत्सक टीम ने उसे बडवानी पशुचिकित्सालय बडवानी रेफर किया। घायल तेन्दुए के शावक के घास गहरे होने से उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी तथा दोनों पैरो के बीच का घाव गहरा होने से तत्काल सर्जरी की आवश्यकता होने से उसे पशुचिकित्सालय महू हेतु रेफर किया। महु चिकित्सालय में उसका इलाज किया जा रहा है।

कार लेने के विवाद में आरोपी ने बस स्टैंड पर की थी मारपीट

हत्या के प्रयास में फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस टीम ने गुना से किया गिरफ्तार

धार। कोतवाली पुलिस ने आठ महिनों से फरार हत्या के प्रयास का आरोपी को गुना से गिरफ्तार कर लिया है, 8 जुलाई 2025 को आरोपी दीपेंद्र देवराज और उसके साथी गाड़ी लेने के लिए धार आए थे फरियादी और आरोपियों के बीच गाड़ी को लेकर विवाद हुआ जिस पर से आरोपियों द्वारा पीड़ित राहुल पिता भरत प्रजापत बस स्टैंड धार के साथ मारपीट की गई थी। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर तीनआरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था, जीत पिता भैयालाल लोधार निवासी गुना प्रकरण में लंबे समय से फरार था।

पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय विजय डावर के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक महोदय सुजावल जग्गा द्वारा उक्त प्रकरण के आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। प्रकरण के आरोपी इंदौर व अन्य जिले के निवासी होकर घटना दिनांक से ही फरार चल रहे

था। थाना कोतवाली प्रभारी दीपकसिंह चौहान द्वारा आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। जिसमें उप निरीक्षक सावन मुवेल, प्रधान आरक्षक रवि शैलीवाल, आरक्षक शुभम जादौन, आरक्षक राहुल शामिल थे। टीम के द्वारा आरोपियों की गिरफ्तार हेतु लगातार इंदौर व अलग-अलग जगह पर दबिश देकर आरोपियों की धड़पकड़ की गई है जो पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था व घटना वाले दिन से फरार चल रहा एक और अन्य आरोपी जीत पिता भैय्यालाल लोधा उम्र 22 साल निवासी गुना जिला गुना को आज गिरफ्तार कर लिया गया है।

फिनेकल सॉफ्टवेयर का दुरुपयोग कर खाताधारकों से की थी ठगी

डाकघर घोटाले का आरोपी होशंगाबाद से गिरफ्तार, दो अब भी फरार

धार। धार में स्थित प्रधान डाकघर में शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं करने वाले फरार आरोपी कुणाल पिता पुरषोत्तीम मकवाना निवासी हार्जिफलिया धार को गिरफतार किया है। आरोपी कुणाल मकवाना धार में पोस्टिर मास्टर के रुप में पदस्थ था, हालांकि गडबडी सामने आने के बाद विभाग ने दो माह पहले ही आरोपी को निलंबित कर चुका है। थाने की कार्यवाही पूरी होने के बाद शुक्रवार दोपहर के समय आरोपी को धार कोर्ट के समक्ष पेश किया, जहां से पूछताछ के लिए पुलिस को रिमांड मिलने की उम्मीद है। आरोपियों ने फिनेकल सॉफ्टवेयर का दुरुपयोग किया गया। शासकीय योजनाओं की राशि सहित 2019 में लाड़ली लक्ष्मी योजना का जो भुगतान हो चुका था उसे फिनेल सॉफ्टेवयर से लाइव दर्शाकर धार प्रधान डाकघर में

दोबारा नगद भुगतान कर लिया। इस मामले में दो मुख्य आरोपी अभी तक फरार है।

पहले समझे मामला

डाक विभाग के इंदौर नगरेतर संभाग के अधीक्षक द्वारा विभागीय जांच की गई। जांच सत्य पाए जाने पर जांच का आवेदन नौगांव थाने में प्रस्तुत किया गया। आवेदन के आधार पर नौगांव पुलिस ने प्रस्तुत आवेदन पर निलंबित डिप्टी पोस्ट मास्टर निर्मलसिंह पंवार,

13 साल पहले हुए था जारी प्रमाण पत्र

जांच में यह भी सामने आया कि निसरपुर उपडाकघर से वर्ष 2013 में जारी किए गए कुछ प्रमाण पत्र, जो डिस्चार्ज के बाद प्रधान डाकघर धार में सुरक्षित रखे गए थे, उन्हें अनाधिकृत रूप से ट्रांसफर कर पुनः नगद भुगतान कराया गया। करीब 3 लाख 57 हजार 21 रुपए की शासकीय राशि का दुर्विनियोजन किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि नॉन-पीओएसबी चेक के माध्यम से जमा हुई राशि, जो फिनेकल के 0382 ऑफिस अकाउंट में क्रेडिट होती है, उसका सही समायोजन नहीं किया गया।

निलंबित पोस्ट मास्टर कुणाल मकवाना और निलंबित डाक सहायक मेपालसिंह गुडिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों द्वारा 1 मार्च से लेकर दिसंबर 2025 तक यह अनियमितताएं की है।

मेट्रो एंकर | **केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह श्रीराम कथा में शामिल हुए, दक्षिणमुखी हनुमान जी की आरती उतारी**

नित्य नई लगती है प्रभु की कथा, मन को मिलती है शांति: प्रेमभूषण महाराज

सागर। दोपहर मेट्रो

श्री रामचरितमानस में भगवान की पूरी कथा है। मानस जी में ही लिखा है कि भगवान की कथा अति हरि कृपा होने से ही प्राप्त होती है। कथा प्रारंभ से अंत तक पढ़नी और सुननी चाहिए, खंडित करके नहीं। कक्षा 2, 4, 5 में नहीं पढ़कर सीधे मास्टर की पढ़ाई की जा सकती है क्या? उक्त उद्गार सागर स्थित रुद्राक्ष धाम में निर्मित कथा मंडप में सप्त दिवसीय श्री राम कथा का गायन के क्रम में पूर्णाहुति सत्र की कथा का गायन करते हुए प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कहे। श्रीराम कथा के पूर्णाहुति सत्र में केंद्रीय कृषि कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मंत्री पं गोपाल भार्गव,अनेक विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायकों सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान कथा पंडाल के पश्चात रुद्राक्ष धाम प्रांगण पहुंच कर दक्षिणमुखी हनुमान जी मंदिर के दर्शन किए और आरती की।

सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेमभूषण जी महाराज ने रामकथा के क्रम में किष्किंधा कांड, सुंदरकांड, लंका कांड और श्री राम राज्याभिषेक तक की कथा का गायन करते हुए कहा

कि सनातन समाज में अखंड रामायण की परंपरा रही है। इस परंपरा का ही पालन किया जाना सबके हित में है। गृहस्थी में रहने वाले लोगों को भी क्रम से ही मानस जी का पाठ करना चाहिए। क्रम से पढ़ने और सुनने से ही कुछ प्राप्त हो पाता है। महाराज जी ने कहा कि कथा तो भगवान की ही सुनने लायक है। हर जीव के पास उसकी कथा से ज्यादा उसकी व्यथा है। भगवान की कथा जीव की व्यथा का हरण कर लेती है। प्रभु की कथा हम जितनी बार सुनते हैं नित्य नई लगती है और मन को शांति प्रदान करती है। मनुष्य का मूल कार्य है सत्कर्म में लगे रहना, लेकिन अधिकांश लोग तो मूल को ही भूल कर बैठ जाते हैं। मनुष्य को संसार की चर्चा और चिंता करने से पहले स्वयं के बारे में विचार करने की आवश्यकता है। हमें अपने स्वयं के लिए भगवान के आश्रय में ले जाने की आवश्यकता होती है किसी और के लिए नहीं। भक्ति पथ पर बने रहने के लिए ही निरंतर भगवान की कथा का श्रवण करना आवश्यक है। केवल जगदीश में रमने से ही कल्याण होगा। उन्होंने कहा अपने घर में अगर हम भाव के साथ भगवान की सेवा करें तो भगवान खाते भी हैं, नहाते भी हैं, सोते भी हैं और मनुष्य जो भी उत्तम व्यवहार करता है, वह सब करते हैं। समस्या यह है कि सामान्य मनुष्य ने भगवान की जीव भाव रख कर उनकी सेवा कभी की ही नहीं। हमारे घर में जो भगवान हैं या हमारे साथ जो भगवान चलते हैं। सुबह स्नान करते हैं, जलपान करते हैं और वह भोग भी लगाते हैं और वही प्रसाद हम पाते हैं।

धर्म का महायज्ञ मानव को सेवा और प्रेम का मार्ग दिखाता है: चौहान

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धर्म का महायज्ञ मानव को स्वार्थ से ऊपर उठकर सेवा, भक्ति और प्रेम का मार्ग दिखाता है। पं. प्रेमभूषण जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मानव जीवन का परम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति और समाज के कल्याण के लिए कर्मरत रहना है। चौहान ने कहा कि महाराज जी का जीवन प्रेम, ज्ञान और भक्ति का अनुपम उदाहरण है। आत्मा के मोक्ष और जगत के कल्याण के लिए की जाने वाली उनकी कथाएं समाज को सही दिशा देती हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिणमुखी हनुमान जी के भव्य मंदिर का निर्माण कराने वाले भूपेन्द्र सिंह वास्तव में सौभाग्यशाली हैं। ऐसे कार्य केवल ईश्वर की विशेष कृपा से ही संभव होते हैं। चौहान ने कहा कि अभी उन्हें नेता कहकर संबोधित किया गया, लेकिन सच्चा आनंद नेता बनने में नहीं बल्कि सेवक बनकर कार्य करने में है। मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति और आनंद की अनुभूति है। शास्त्रों में भगवान को प्राप्त करने के तीन मार्ग बताए गए हैं ज्ञान, भक्ति और कर्म।

भारतीय टीम की वैभवशाली जीत

खिलाड़ियों से राजनेताओं तक ने दी बधाई

हरारे। भारतीय टीम ने शुक्रवार को अंडर-19 विश्व कप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। आयुष म्हात्रे के नेतृत्व में भारतीय अंडर-19 टीम ने रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। इससे पहले टीम इंडिया 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में विजेता बनी थी। बता दें कि, भारत पूरे टूर्नामेंट के दौरान अजेय रहा और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल मुकाबले तक कोई टीम आयुष की अगुवाई वाली टीम को हरा नहीं सकी। जिसके बाद से बधाईयों का तांता लगा हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने टीम इंडिया को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि आईसीसी मेन्स अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 रिकॉर्ड छठी बार जीतने पर टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। मैं प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। मुझे यकीन है कि भारतीय क्रिकेट और भी मजबूत होगा। पीएम मोदी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का क्रिकेट टैलेंट चमका, और हमें अपनी अंडर-19 टीम पर गर्व है, जिसने वर्ल्ड कप घर लाया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा खेला और शानदार स्किल दिखाया। यह जीत कई युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। खिलाड़ियों को उनके आने वाले प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया में एंट्री दूर नहीं...

आईपीएल हो या अंडर-19 हर जगह किया कमाल, बने भविष्य की उम्मीद

हरारे , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में इस समय अगर किसी नाम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी है, तो वह है वैभव सूर्यवंशी। अंडर-19 क्रिकेट से लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (तक लगातार शानदार प्रदर्शन, आक्रामक बल्लेबाजी और दबाव में मैच जिताने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा बना दिया है। क्रिकेट विशेषज्ञों और चयनकर्ताओं की नजरें अब उन पर टिक चुकी हैं और टीम इंडिया में उनकी एंट्री को सिर्फ समय की बात है।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर की शुरुआत में ही यह संकेत दे दिया कि वो लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। अंडर-19 और घरेलू क्रिकेट उन्होंने जिस तरह लगातार रन बनाए, बड़े स्कोर खड़े किए और मैच की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी की, उसने सभी का ध्यान खींचा है। तेज स्ट्राइक रेट के साथ टिककर खेलने की क्षमता और दबाव में जिम्मेदारी लेना उनके खेल की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है।

वैभव ने बना दिया महारिकॉर्ड

इस पूरे वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी ने 7 मैचों में 62.71 की औसत और 169 ।49 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए। वैभव से ज्यादा रन सिर्फ इंग्लैंड के बेन मेस (444 रन) बना सके। देखा जाए तो वैभव यूथ ओडीआई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन चुके हैं। वैभव ने 25 मैचों में 56 ।48 की औसत से 1412 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और 7 अर्धशतक निकले। वैभव सूर्यवंशी घरेलू क्रिकेट में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हैं और लगातार अपने प्रदर्शन से टीम को मजबूती दे रहे हैं। वैभव का करियर बेहद कम उम्र से ही सुर्खियों में रहा है। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया और 13 साल की उम्र में ढ्ढक्करू कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया। ढ्ढक्करू में शतक जड़कर वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतकवीर भी बन गए। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धियां हासिल करना उनकी प्रतिभा और मानसिक मजबूती को दर्शाता है।

इंतजार खत्मः टी20 वर्ल्ड कप का महासंग्राम आज से...

पहले दिन तीन मुकाबले, भारत-अमेरिका की भी टक्कर, मुंबई में होंगे आमने-सामने

मुंबई , एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी (शनिवार) से हो रही है। ये टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में खेला जाना है। टूर्नामेंट में इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, लेकिन खिलाड़ियों से ज्यादा चर्चा ऑफ-फील्ड राजनीति और ड्रामे की रही है। डिफेंडिंग चैम्पियन और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया को खिताब का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

हालांकि टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान से जुड़े विवादों ने माहौल गरमा दिया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं और तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान के ढ्ढक्क (इंडियन प्रीमियर लीग) कॉन्ट्रैक्ट विवाद को लेकर भारत में खेलने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इस फैसले को सही बताया।

इस विश्व कप में पहले दिन कुल तीन मुकाबले खेले जाएंगे। उद्घाटन मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे से पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स में खेला जा रहा है। ये दोनों टीमें ग्रुप-ए में हैं। फिर दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के बीच दोपहर तीन बजे से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा। वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड को ग्रुप-सी में रखा गया है। इसके बाद शाम 7 बजे से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ग्रुप-ए का मुकाबला होगा, जिसपर फैन्स की निगाहें हैं।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, संजू सैमसन (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, मोहम्मद सिराज और ईशान किशन (विकेटकीपर).

भारत सबसे संतुलित टीम दिख रही

मैदान पर नजर डालें तो टीम इंडिया सबसे संतुलित और मजबूत दिखाई देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को हराने के लिए किसी टीम को असाधारण प्रदर्शन करना होगा या फिर भारत को खुद बड़ी गलती करनी पड़ेगी। अगर भारत यह वर्ल्ड कप जीतता है तो इसे सामान्य माना जाएगा, लेकिन हार बड़ी उलटफेर साबित होगी। अन्य दावेदार टीमों में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी मजबूत है लेकिन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी दिख सकती है। इंग्लैंड की बल्लेबाजी बेहद आक्रामक है, जबकि साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी दुनिया की सबसे खतरनाक मानी जा रही है। न्यूजीलैंड उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में ढल चुका है और श्रीलंका घरेलू मैदान का फायदा उठा सकता है। एसोसिएट टीमों में नेपाल सबसे ज्यादा चर्चा में है। दीपेंद्र सिंह ऐरी पर सबकी नजरें रहेंगी, जिन्होंने 9 गेंदों में अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड बनाया हुआ है। वहीं यूएसए और इटली जैसी टीमें भी इस बार दिलचस्प कहानियां लेकर आई हैं।

पाकिस्तान का नाटक जारी, श्रीलंका की अपील भी बेअसर

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से भारत के खिलाफ होने वाले टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले के बहिष्कार के फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील की। रिपोर्ट के मुताबिक एसएलसी ने पीसीबी को औपचारिक पत्र लिखकर कहा कि दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच होने वाले इस बड़े मुकाबले को रद्द करने से उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह मैच 15 फरवरी (रविवार) को कोलंबो के आर। प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना तय है। वैसे श्रीलंका क्रिकेट की इन कोशिशों के बावजूद कोलंबो में भारत-पाकिस्तन मैच होने की संभावना फिलहाल काफी कम नजर आ रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के फैसले पर शीर्ष अधिकारी अपना रुख बदलने के मूड में नहीं हैं।

आदर्श राम ज्योति शंकर का शानदार प्रदर्शन,

एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलीट ने 14 प्रतियोगियों के बीच धीरे-धीरे पदक के अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए। प्रतियोगिता के आगे बढ़ने के साथ स्वर्ण पदक की दौड़ शंकर और जापान के दो एथलीटों के बीच सिमट गई। शंकर ने 2.15 मीटर की ऊंचाई दूसरे प्रयास में और 2.19 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार की। उन्होंने अपने पदक का रंग बेहतर करने की कोशिश की लेकिन 2.23 मीटर पर तीनों प्रयास असफल रहे।

चित्रावल पदक से चूके- जापान के सेको यूटो ने 2.23 मीटर की ऊंचाई के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन शिन्नो तोमोहीरो ने 2.19 मीटर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। आउटडोर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पुरुषों की त्रिकूद में भारत के प्रवीण चित्रावल पदक से चूक गए। चित्रावल ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 16.22 मीटर की छलांग के साथ चौथा स्थान हासिल किया। पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में चीनी एथलीटों का दबदबा रहा। सु वेन ने 16.55 मीटर के साथ स्वर्ण, जबकि जियाओ शिनपिंग (16.47 मीटर) और मा यिंगलॉन्ग (16.45 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में भी चीन की एथलीटों का वर्चस्व रहा। भारत की योगिता 15.33 मीटर की दूरी के साथ चौथे स्थान पर रहीं इससे पहले पुरुषों की 100 मीटर (आउटडोर) के पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक फर्राटा धावक मणिकांता होब्लिधर 60 मीटर हीट में फाउल के कारण अयोग्य करार दिए जाने से अगले दौर में प्रवेश नहीं कर सके।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रिलीज से पहले विवादों में फंसी शाहिद की ओ रोमियो

हुसैन उस्तारा शेख की बेटी ने कोर्ट में दायर की याचिका

मनोज बाजपेयी की घूसखोर पंडत की कॉन्ट्रोवर्सी के बाद 13 फरवरी को रिलीज होने वाली शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो पर खतरे की तलवार लटक रही है। फिल्म को लेकर हुसैन उस्तारा की बेटी ने जताई है और कोर्ट में याचिका दायर करते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। मामले पर सुनवाई भी आज ही होगी।

फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी ने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कोर्ट का रुख करते हुए फिल्म की रोक लगाने की याचिका भी दायर की है। हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी सनोबर शेख का कहना है कि ट्रेलर में उनके पिता की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। ट्रेलर में उन्हें सनकी और गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया है। फिल्म के रिलीज से उन्हें और उनके बच्चों को ÷अपूरणीय क्षति÷ पहुंचेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पिता ने पूरे भारत में, विशेष रूप से मुंबई में, अपराधों को रोकने में योगदान दिया और अपराधियों से निपटने में पुलिस और खुफिया एजेंसियों की मदद की, लेकिन फिल्म में उन्हें गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। सनोबर शेख ने कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में दावा किया है कि फिल्म उनके पिता की जीवनी पर बनी है और उनके पिता के जीवन को गैंगस्टर जैसा दिखाने की

माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है किताब

सनोबर शेख ने फिल्म के निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ कोर्ट याचिका और पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है और काफी हद तक अभिनेता शाहिद कपूर का किरदार हुसैनन उस्तारा शेख से प्रेरित है। हालांकि विशाल भारद्वाज और हुसैन जैदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि फिल्म हुसैन उस्तारा शेख की जीवनी से प्रेरित नहीं है, बल्कि एक कलात्मक कहानी है, जिसका कुछ हिस्सा उनकी कहानी से प्रेरित है लेकिन किरदार काल्पनिक हैं। हालिया इंटरव्यू में हुसैन जैदी ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म सौ प्रतिशत हुसैन उस्तारा शेख की जीवनी पर आधारित नहीं है, लेकिन आंशिक तौर पर प्रेरित फिल्म है।

एक्ट्रेस मुक्ति मोहन का नया मंत्र

लोगों से अप्रूवल की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया।

इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, ÷एक ही तो जिंदगी मिली है। इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है।÷

वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ-साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांची÷द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया।

मेट्रो बाजार

देश में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंची ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी,

नई दिल्ली । देश में भारतनेट परियोजना के तहत 2,14,904 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी दी गई है और इससे देश में अंतिम दूरी तक डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मदद मिली है। यह बयान संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ.चंद्रशेखर पेम्मासानी की ओर से दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा,÷ग्रामीण, सीमावर्ती और आकांक्षी जिलों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और मोबाइल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए सरकार द्वारा कई कदम और प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई हैं। दिसंबर 2025 तक, भारतनेट परियोजना के तहत 2,14,904 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के साथ सेवा के लिए तैयार किया गया है और देश में 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट और अन्य मोबाइल परियोजनाओं के तहत 23,694 मोबाइल टावर चालू किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने अपने उत्तर में आगे कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने विशेष रूप से दूरस्थ और कम सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में भौगोलिक अंतर को कम करके शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सरकारी सेवाओं तक बेहतर पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डिजिटल परिवर्तन ने नागरिकों के आवश्यक सेवाओं के साथ बातचीत करने के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। साथ ही बताया कि दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा जारी सेवा की गुणवत्ता मानदंड और अन्य वैश्विक मानकों/प्रणालियों को अपनाया गया है और इन मानदंडों के आधार पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के प्रदर्शन की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

ब्याज दरें लंबी अवधि तक रहेंगी कम, गवर्नर ने दिए कटौती के संकेत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से दो महीने के अंतराल पर होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के फैसलों का एलान किया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, केंद्रीय बैंक का आगे का रुख कर्जदारों के लिए बेहद राहत भरा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ किया है कि ब्याज दरें लंबी अवधि तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी और भविष्य में इनके और नीचे जाने की उम्मीद है। एमपीसी ने रेपो रेट को 5.25त्न पर जस का तस रखा है और अपना रुख %तटस्थ% बनाए रखा है। आरबीआई गवर्नर ने किन बातों पर जोर दिया, आइए जानें। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा, ÷नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी और वे और भी नीचे जा सकती हैं÷। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि दरों पर अंतिम निर्णय एमपीसी की ओर से ही लिया जाएगा।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल फरवरी से अब तक केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल 125 आधार अंकों की कटौती की है। गवर्नर ने स्वीकार किया कि जमा पक्ष पर नीतिगत दरों में कटौती का असर धीमा रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले समय में फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें नीचे जाएंगी, जो निश्चित आय पर निर्भर निवेशकों के लिए चिंता का सबब बन सकता है। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर आरबीआई का नजरिया सकारात्मक है। केंद्रीय बैंक ने अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी विकास दर के अनुमान को संशोधित कर बढ़ा दिया है।

विदेशी मेहमानों से बाराबंकी की किरकिच्ची झील गुलजार

साइबेरियन पक्षियों के दीदार के लिए सैलानियों की बढ़ रही भीड़

बाराबंकी। ठंड बढ़ने के साथ हजारों मील की दूरी तय कर विदेशी पक्षियों का यूपी के बाराबंकी में अपना डेरा जमाए हुए है। प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में साइबेरियन पक्षी दिसबंर से मार्च महीने तक विदेशी मेहमान बन कर किरकिच्ची झील और भगहर झील में अपना प्रवास करते हैं। विदेशी पक्षियों की नई प्रजातियां देखने के लिए गैर जिलों से भारी संख्या में सैलानी भी पहुंच रहे हैं। इन पक्षियों को विदेशी मेहमान भी कहा जाता है, जिनकी देख रेख और संरक्षण रखने की जिम्मेदारी वन विभाग निभा रहा है। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए वन विभाग पूरी तरह अलर्ट है।

न्यूज विंडो

आज ओला-उबर-रैपिडो की हड़ताल, लोगों की बढ़ेगी मुसीबत

नई दिल्ली। ओला, उबर और रैपिडो कंपनियों के ड्राइवर देशभर में शनिवार को हड़ताल पर है। ड्राइवरों ने इसे ऑल इंडिया ब्रेकडाउन का नाम दिया है और वे अपना मोबाइल एप बंद रखेंगे। इसके चलते लोगों को कैब, ऑटो या बाइक टैक्सी मिलने में दिक्कत हो सकती है।इस हड़ताल का आह्वान तेलंगाना गिग वर्कर्स यूनियन और दूसरे संगठनों ने मिलकर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एलान किया कि 7 फरवरी को पूरे देश में ड्राइवर काम बंद रखेंगे। उनका कहना है कि न तो उनका कोई किराया तय है और न ही कोई नियम, बस उनका शोषण हो रहा है। यूनियन ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को चिट्ठी लिखकर अपनी शिकायतें बताई हैं। ड्राइवरों का कहना है कि सरकार की तरफ से कोई किराया तय नहीं है, इसलिए कंपनियां अपनी मर्जी से पैसे काटती हैं। इस वजह से ड्राइवरों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है और उनकी कमाई का कोई भरोसा नहीं रह गया है।

परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं तो गंभीर होंगे परिणाम: ट्रंप

वॉशिंगटन। ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते पर पहले दौर की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। अब अगले हफ्ते फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता को 'बहुत अच्छा' बताया है और अगले सप्ताह की शुरुआत में और बातचीत की योजना के बारे में कहा। साथ ही दबाव भी बढ़ाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है, तो उसे 'गंभीर परिणाम' भुगतने होंगे। दरअसल, ट्रंप प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ईरान को जीरो न्यूक्लियर कैपेबिलिटी यानी शून्य परमाणु क्षमता की ओर ले जाना है। ट्रंप ने ईरान को इस कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य कार्रवाईकरने की बार-बार धमकी दी है, इससे पहले उन्होंने तेहरान को देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई के जवाब में इस विमानवाहक पोत को क्षेत्र में भेजा था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे और इस्लामिक गणराज्य में हजारों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था।

राजगीर जैन धर्मशाला मिस्ट्री: फंदे से लटके मिले मां, बेटा और दो बेटियां

रहुई(नालंदा)। राजगीर स्थित दिगंबर जैन धर्मशाला में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कमरे से तेज दुर्गंध आने लगी। सूचना पर डीएसपी सुनील कुमार सिंह और थानाध्यक्ष रमण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दंडाधिकारी की निगरानी में जब कमरा नंबर छह-एबी का दरवाजा खोला गया, तो अंदर का दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला था। कमरे के भीतर एक ही परिवार के चार सदस्य–वृद्ध मां जीआर सुमंगला (78), पुत्र जीआर नागा प्रसाद (50) और पुत्रियां श्रुथा जीबी (43) व शिल्पा जीआर (48)–फंदे से लटके मिले। सभी शव बुरी तरह सड़ चुके थे। मृतकों के हाथ-पैर बंधे हुए थे और मुंह पर लाल रंग का टेप चिपका था, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया।मामले की गहराई से जांच के लिए एसडीपीओ सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में आठ सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। मृतकों के पारिवारिक, आर्थिक और मानसिक हालहात की जानकारी जुटाने के लिए एसआईटी के दो सदस्यों को बेंगलुरु भेजा जाएगा।

पड़ोसी देश को लग रही मिर्ची, सोशल मीडिया पर खूब हो रही चर्चा

अमेरिका ने जारी किया नक्शा पीओके को माना भारत का हिस्सा

नई दिल्ली/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने अपने अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की आज घोषणा कर दी है, जिसे भारत और अमेरिका के संबंधों को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने भारत का नक्शा भी साझा किया है। भारत का ये नक्शा चुपचाप चर्चा का केंद्र बन गया और वह सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। अमेरिका द्वारा जारी किए गए भारत के इस नक्शे को देखकर पाकिस्तान को मिर्ची लग सकती है। इसकी वजह ये है कि पीओके को अमेरिका ने भारत का हिस्सा बताया है, जिसपर पाकिस्तान अपना दावा करता रहता है।

व्यापार समझौते के विवरण को जारी करते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने भारत का एक नक्शा जारी किया जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) सहित संपूर्ण जम्मू और कश्मीर को भारत का हिस्सा दिखाया गया है। इसके अलावा, नक्शे में अक्साई चिन को भी शामिल किया गया है, जिस पर चीन अपना दावा करता है। इस तरह से अमेरिका ने जो नक्शा जारी किया है वो पाकिस्तान और चीन दोनों की चिंता बढ़ाने वाला है।हालांकि, भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता की पुष्टि के लिए अमेरिका की मंजूरी जरूरी नहीं थी। भारत हमेशा से यह कहता आया है कि कश्मीर देश का अभिन्न अंग है। पहले भी अमेरिका या उसके विदेश विभाग द्वारा जारी किए गए नक्शों में पाकिस्तान की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए कश्मीर क्षेत्र (पीओके) का स्पष्ट सीमांकन किया जाता था। लेकिन ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी किया गया नवीनतम नक्शा पाकिस्तान के दावों को सिरे से खारिज करता है।

नक्शे ने खींचा सबका ध्यान, पूरे हिस्से को भारत का दिखाया

अमेरिकी ट्रेड डिपार्टमेंट की ओर से जारी इस नक्शे में न तो कोई लाइन ऑफ कंट्रोल दिखाई गई है और न कोई विवादित क्षेत्र है। इसमें साफतौर पर पूरे हिस्से को भारत का दिखाया गया है।यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रजेंटेटिव ने भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर अंतरिम फ्रेमवर्क से जुड़ा एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में अमेरिकी उत्पादों (ट्री नट्स, ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन, रेड सोरघम, फल आदि) के लिए भारत में नए बाजार खुलने की बात थी। अमेरिका ने अपने पोस्ट में लिखा, 'ट्री नट्स और सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन से लेकर लाल ज्वार और ताजे और प्रोसेस्ड फलों तक, अमेरिका-भारत एग्रीमेंट अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए नए मार्केट एक्सेस देगा।' मगर इस पोस्ट के साथ जारी नक्शे ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

पीएम मोदी दो दिवसीय दौर पर मलेशिया के लिए हुए रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मलेशिया के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए। मलेशिया रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि भारत मलेशिया के साथ रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने तथा आर्थिक और नवोन्मेष के क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ाने पर विचार कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, ''भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों में हाल के वर्षों में निरंतर प्रगति हुई है।'' उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ अपनी चर्चाओं और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने को लेकर उत्साहित हूं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य अपने रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करना, अपनी आर्थिक और नवाचार साझेदारी को बढ़ाना तथा नए क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करना है।'' पीएम मोदी के इस दौरे का मकसद व्यापार, निवेश, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।प्रधानमंत्री मोदी की यह मलेशिया की तीसरी यात्रा है।

हादी की हत्या को लेकर यूनुस के घर के सामने हुआ प्रदर्शन

पुलिस झड़प में 50 लोग घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पुलिस और इंकलाब मंच के कार्यकर्ताओं के बीच शाहबाग इलाके में मारे गए छात्र नेता उस्मान हादी के लिए न्याय की मांग को लेकर फिर से झड़पें हुईं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई झड़पों में ढाका-18 के निर्दलीय उम्मीदवार मोहिउद्दीन रोनी सहित लगभग 40 से 50 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और साउंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। यह प्रदर्शन बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के आवास के सामने हुआ।ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और इंकलाब मंच के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव आसपास उस वक्त शुरू हुआ, जब पुलिस शाहबाग चौराहे से प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश कर रही थी।

पुलिस को कॉल के बावजूद रात भर 15 फीट गड्ढे में पड़ा रहा युवक, परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के जनकपुरी में गड्ढे में गिरने से बाइक सवार की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। मृतक कमल के परिजनों का आरोप है कि पुलिस अगर मदद की होती तो शायद कमल की जान बच गई होती। कमल के भाई करण का कहना है कि हम लोग एक-एक थाने का चक्कर लगाए। फोन करते रहे। पुलिस ने कहा कि रात में ढूढ़ना संभव नहीं है। शिकायत सुबह दर्ज की जाएगी। परिवार का कहना है कि जब कमल का फोन एक्टिव था तो लोकशन ढूढ़कर घटनास्थल तक पहुंचा जा सकता था। गड्ढे वाले रास्ते पर तलाशी करनी चाहिए थी।

ठेकेदार और जल बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा- जनकपुरी में गड्ढे में गिरने से बाइक सवार की मौत के बाद पुलिस ने ठेकेदार और जल बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने ब्नह्स्की धारा 105 के तहत केस दर्ज किया है। शिकायत में गया है कि लेडी कॉलर ने बताया की एक बाइक वाला 15 फ़ीट गहरे गड्ढे में गिर गया है। जब पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचा तो देखा कि एक अज्ञात व्यक्ति बाइक 20 फिट लम्बा और 13 फिट चौड़ा, 14 फ़ीट गहरा, सड़क के बीचोबीच खोदे गए गड्ढे में गिरा हुआ था।

पुलिस ने कहा कि आस-पास देखने पर पता चला था की ये गड्ढा दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया है, जो इंजर्ड अननोन को फिर फायर ब्रिगेड की मदद से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। मौके पर कोई चश्मदीद नहीं मिला।

मेट्रो एंकर

ब्राह्मणों को लेकर सियासी पारा सातवें आसमान पर, वेब सीरिज के खिलाफ इतनी जल्दी कार्रवाई के कई मायने

घूसखोर पंडत: योगी बिलकुल रिस्क लेने के मूड में नहीं

लखनऊ, एजेंसी

UGC का नियम और अब 'घूसखोर पंडत' वेब सीरीज का मामले ने राजनीति गलियारों में हलचल मचाई हुई है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदनशीलता को देखते हुए घुसखोर पंडत विवाद में तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया, ताकि समुदाय के गुस्से को शांत किया जा सके और ब्राह्मणों की नाराजगी को भी दूर किया जा सके।

योगी की सक्रियता को प्रदेश में ब्राह्मणों की राजनीतिक एकजुटता से जोड़कर देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि 23 दिसंबर 2025 को उत्तर प्रदेश में हुई एक बैठक ने पूरे देश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टेंशन भी बढ़ गई। सवाल देश के सबसे बड़े राज्य में जातीय समीकरण (जिस सोशल इंजीनियरिंग का नाम भी दिया जाता है) से जुड़ा था। यूपी में पिछले दो बार से बीजेपी का यह समीकरण पूरी तरह से सटीक बैठ रहा है। बस साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हल्का सा झटका जरूर लगा था। दरअसल, कुशीनगर के विधायक पीएन पाठक के आवास पर प्रदेश के तकरीबन 52 ब्राह्मण एमएलए जुटे थे। दिलचस्प बात यह है कि इसमें भाजपा के साथ ही अन्य दलों के विधायक भी शामिल थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सीएम योगी आदित्यनाथ से ब्राह्मण समुदाय नाराज चल रहा है। इसी वजह से 'ब्राह्मण ओनली' विधायकों की बैठक बुलाई गई थी। इससे योगी सरकार चौकन्ना हो गई। यहां एक और बात बेहद अहम है कि अगले साल यानी 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और यूपी की राजनीति में ब्राह्मण समुदाय का प्रभावी दखल है। इसी गहमागहमी के बीच 23 दिसंबर की शाम कुशीनगर के विधायक पीएन पाठक के आवास पर करीब 52 ब्राह्मण विधायकों और एमएलसी डिनर के लिए एकजुट हुए थे। हैरानी की बात ये भी रही कि इसमें बीजेपी के अलावा दूसरी पार्टी के भी ब्राह्मण नेता शामिल रहे।

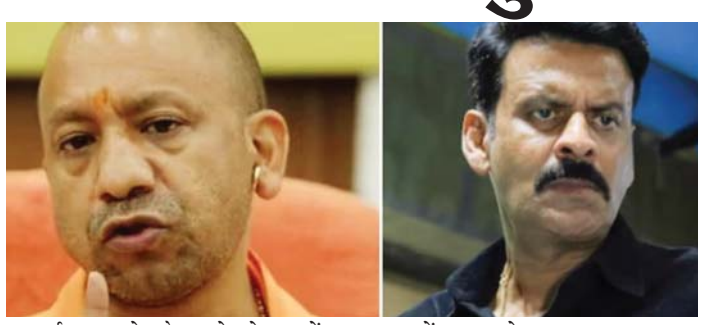

सरकार दर्ज कराई एफआईआर

योगी सरकार ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में फिल्म के निर्देशक नीरज पांडे और उनकी टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोप है कि फिल्म का शीर्षक जाति विशेष को अपमानित करता है, सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश करता है और इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। सरकार ने संभावित विरोध-प्रदर्शनों और बढ़ते आक्रोश का हवाला देते हुए नेटफ्लिक्स से ट्रेलर हटाने को कहा, जिसपर प्लेटफॉर्म ने तुरंत कार्रवाई की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564